RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः194, मंगलवार, 22 जुलाई 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

डीएम में राजनीतिक दलों के साथ विशेष गहन पुनरीक्षण-2025 पर बैठक संपन्न 03

परसौनी कृषि विज्ञान केंद्र में पशु पालन का 5 दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न, मिले प्रमाण पत्र 04

राशा थडानी को पसंद आई सैयारा, अहान पांडे और अनीत पड्डा की... 07

सदन में विपक्ष को बोलने नहीं देती सरकारः राहुल गांधी

नई दिल्ली । संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन विपक्ष और सरकार के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। "ऑपरेशन सिंदूर" और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कथित सीजफायर वाले दावे को लेकर विपक्ष ने सरकार से जवाब मांगा है, जिसके चलते दोनों सदनों में भारी हंगामा हुआ। इसे लेकर सदन की कार्यवाही को भी स्थगित करना पड़ा। इस मुद्दे को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सरकार पर विपक्ष की आवाज को दबाने का आरोप लगाया और अपनी नाराजगी जाहिर की। सदन से बाहर पत्रकारों से वार्ता के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि संसद में केवल सरकार के मंत्रियों को बोलने दिया जा रहा है, जबकि विपक्ष के नेताओं को अपनी बात रखने का मौका नहीं दिया जाता। उन्होंने कहा कि मैं नेता विपक्ष हूं, मेरा संवैधानिक हक है कि मैं सदन में बोलूं, मगर मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा। यह सरकार की एक नई रणनीति है, जो लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है। राहुल गांधी ने कहा कि बार-बार चेयर की ओर से कहा जा रहा है कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन वास्तव में चर्चा तभी होगी, जब विपक्ष को बोलने की अनुमति दी जाएगी।

धूमधाम से निकली भगवान महाकाल की सवारी, दो स्वरूपों में भक्तों को दिए दर्शन

उज्जैन। उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर की श्रावण-भाद्रपद माह में निकलने वाली सवारी के क्रम में श्रावण के दूसरे सोमवार को भगवान महाकाल का दूसरी सवारी धूमधाम से निकाली गई। इस दौरान बाबा महाकाल ने दो स्वरूपों में श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे। अवंतिकानाथ श्री चंद्रमौलेश्वर के रूप में चांदी की पालकी में तथा हाथी पर श्री मनमहेश के रूप में विराजित होकर नगर भ्रमण पर निकले और अपनी प्रजा का हाल जाना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सवारी के दौरान क्षिप्रा नदी के तट पर भगवान महाकालेश्वर के चंद्रमौलेश्वर स्वरुप में पालकी पहुंचने के बाद क्षिप्रा नदी के जल से उनका पूजन अर्चन किया। उल्लेखनीय है कि भगवान महाकालेश्वर की दूसरी सवारी के दौरान रामघाट पर पुलिस बैंड के द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इस दौरान उड़ीसा के जनजातीय कलाकारों के दल ने शंख हवनी नृत्य और छत्तीसगढ़ के जनजातीय कलाकारों के द्वारा पंथि नृत्य की प्रस्तुति भी दी गई। वहीं रामघाट के दूसरी तरफ दत्त अखाड़ा घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार किया गया।

ऑपरेशन सिंदूर सहित हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है सरकारः शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली । पहलगाम हमले को लेकर संसद में जारी हंगामे पर केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि संसद लोकतंत्र का मंदिर है और लोकतंत्र चर्चा से जीवंत होता है। सरकार ऑपरेशन सिंदूर सहित हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष चर्चा से भाग रहा है और लोकतंत्र को शोरतंत्र बना रहा है। आखिर विपक्ष चर्चा से क्यों भाग रहा है? जब सरकार चर्चा के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने सोमवार को एक ट्वीट कर कहा कि एक तरफ पूरा देश भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम से गौरवान्वित है और सेना की जय-जयकार कर रहा है। आज भारतीय सेना के शौर्य की अनुगूंज पूरे विश्व में हो रही है। ऐसे में मानसून सत्र के पहले दिन विपक्ष को सरकार के साथ खड़े होकर एक सुर में सेना के शौर्य को प्रणाम करना चाहिए था, जिससे पूरी दुनिया में संदेश जाता कि पूरा भारत एक है। इसके विपरीत विपक्ष पाकिस्तान की भाषा बोल रहा है, सेना के पराक्रम पर सवाल खड़े कर रहा है। भारतीय सेना का ऐसा शौर्य और साहस कि पाकिस्तान आज तक अपना रहीम यार खान एयरबेस ठीक नहीं कर पाया है। प्रत्येक भारतीय को देश की सेना पर गर्व है और हम सभी पूरी मजबूती के साथ अपनी सेना के साथ खड़े हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने मानसून सत्र को बताया गौरवपूर्ण विजयोत्सव, दलों से की देशहित में एकता की अपील

एजेंसी, नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को मीडिया को संबोधित करते हुए इसे राष्ट्र के लिए एक गौरवपूर्ण विजयोत्सव बताया। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे भले ही राजनीतिक दृष्टिकोण में भिन्न हों, लेकिन देशहित में एकजुट होकर काम करें। उन्होंने कहा कि संसद से एक सकारात्मक संदेश जाना चाहिए जो जनभावनाओं को प्रतिबिंबित करे और राष्ट्र को आगे ले जाए।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश की हालिया सैन्य, अंतरिक्ष और आर्थिक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत अब दुनिया के सामने एक नई शक्ति के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि भारत का तिरंगा जब अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर लहराया, तो हर भारतीय का सिर गर्व से ऊंचा हो गया। उन्होंने कहा कि यह समय है इन उपलब्धियों का गुणगान करने का, ताकि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिल सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की सेनाओं ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक विजय हासिल की है। इस अभियान ने न सिर्फ आतंकवादियों को करारा जवाब दिया, बल्कि भारत के स्वदेशी सैन्य उपकरणों की ताकत भी दुनिया को दिखा दी। उन्होंने कहा कि मेड इन इंडिया रक्षा उत्पादों से अब वैश्विक स्तर पर भारत की साख बढ़ रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हाल की घटनाओं के संदर्भ में कहा कि सुरक्षा बलों की सजगता और सरकार की नीति के चलते वहां शांति बहाल हो रही है। उन्होंने यह भी बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अब तेजी से बदलाव हो रहा है और कई जिले अब उग्रवाद के चंगुल से मुक्त हो चुके हैं। संविधान की जीत हो रही है। प्रधानमंत्री ने वैश्विक मंचों पर भारत की मजबूती से हुई प्रस्तुति की सराहना की। विशेष रूप से उन भारतीय प्रतिनिधिमंडलों की भूमिका की सराहना की, जिन्होंने हाल के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में पाकिस्तान को बेनकाब किया। उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति आज दृढ़ता और स्पष्टता के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने आर्थिक प्रगति की चर्चा करते हुए कहा कि भारत अब विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने कहा कि महंगाई दर मात्र दो प्रतिशत तक सिमट चुकी है, जिससे आम जनता को राहत मिली है। उन्होंने यूपीआई को भारत की फिनटेक क्रांति का प्रतीक बताते हुए कहा कि भारत अब विश्व में सबसे अधिक फिनटेक नवाचार करने वाला देश बन चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज 90 करोड़ भारतीय सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आ चुके हैं और भारत को ट्रेकोमा जैसी बीमारी से मुक्त घोषित किया गया है। प्रधानमंत्री ने संसद के इस मानसून सत्र को एक नई प्रेरणा का स्रोत बताते हुए आशा जताई कि यह सत्र विजय, विकास और विश्वास के भाव से ओतप्रोत रहेगा। यह सत्र न सिर्फ देश की सुरक्षा और समृद्धि को बल देगा, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी लेकर आएगा। अपने संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "दलहित में भले मत न मिले, लेकिन देशहित में मन जरूर मिले।" उन्होंने संसद के सभी सदस्यों से अपील की कि वे इस सत्र को राष्ट्रहित में एकता और सकारात्मकता के साथ सफल बनाएं।

सरकार के हर विषय पर चर्चा के आश्वासन के बावजूद विपक्ष का हंगामा, लोकसभा दो बार स्थगित

एजेंसी, नई दिल्ली

मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही विपक्ष की ओर से 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा की मांग को लेकर किए गए हंगामे के चलते पहले दोपहर 12 बजे और फिर 2 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। सरकार ने आश्वस्त किया कि लोकसभा अध्यक्ष की ओर से तय समयानुसार वह किसी भी मुद्दे पर चर्चा को तैयार है। लोकसभा में सदन के उप नेता एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष को आश्वस्त किया कि सरकार किसी भी विषय पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जितना समय चाहिए उतने समय के लिए चर्चा को तैयार है। इससे पहले संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने भी कहा कि दोपहर में होने वाली कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में सभी दलों के बीच चर्चा के विषय और समय पर विमर्श होगा। उन्होंने यह भी कहा कि सत्र के पहले ही दिन इस प्रकार का हंगामा करना उचित नहीं है। लोकसभा की पहले दिन की कार्यवाही दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ आरंभ हुई।

झारखंड के दक्षिण-पूर्वी जिलों में 24 को भारी बारिश की आशंका

एजेंसी, रांची

राज्य के दक्षिण पूर्वी जिलों में 24 जुलाई को भारी बारिश होने की आशंका है। राज्य के जिन जिलों में बहुत भारी बारिश होने की आशंका है। उनमें पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, सरायकेला खरसावां, देवघर, दुमका, गिरीडीह गोड्डा, जामताड़ा गोड्डा पाकुड़ और साहिबगंज शामिल हैं। इसे लेकर मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं विभाग की ओर से राजकीय दक्षिण- पश्चिमी और उत्तर पूर्वी जिले के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की आशंका है। इसके अलावा इन इलाकों में गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की भी आशंका है। इसको लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा 25 जुलाई को भी मौसम विभाग ने राज्य के कुछ हिस्सों में बहुत भारी बारिश होने की आशंका व्यक्त की है। इसे लेकर भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इधर, पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश रामगढ़ के डीवीसी में 64.5 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई। वहीं सोमवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे और उमस की स्थिति रही।

कुख्यात चंदन मिश्रा के हत्या आरोपितों को कोलकाता से लेकर पटना पहुंची बिहार पुलिस

एजेंसी, पटना

राजधानी पटना के वेली रोड स्थित पारस अस्पताल में बीते 17 जुलाई को कुख्यात अपराधी चंदन मिश्रा हत्याकांड मामले के चार आरोपितों को बिहार एसटीएएफ सोमवार को कोलकाता से लेकर पटना पहुंच गई है। बिहार पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार शूटर्स में तौसीफ बादशाह के अलावा इसमें तीन अन्य आरोपित शामिल हैं । इस हत्याकांड के मास्टरमाइंड निशु खान उर्फ भाईजान को पुलिस ने पटना स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया है। तौसीफ बादशाह के अलावा

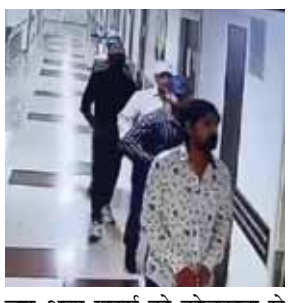

चार अन्य शूटर्स को कोलकाता से गिरफ्तार करने के बाद बिहार पुलिस की टीम ने उन्हें वहां की कोर्ट में पेश किया और उसके बाद सभी को सड़क मार्ग से लेकर ही पटना के लिए रवाना हो हुई थी। आज बिहार

पुलिस की टीम सभी आरोपितों को लेकर पटना पहुंची। फिलहाल उन्हें पुलिस लाइन में भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रखा गया है। पुलिस उनसे पूछताछ करने के बाद कोर्ट में पेश करेगी। उल्लेखनीय है कि बिहार की राजधानी पटना के बड़े प्राइवेट अस्पताल में 17 जुलाई की सुबह पांच बदमाशों ने रूम नंबर 209 में भर्ती कुख्यात चंदन मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड के बाद हड़कंप मच गया था। सीसीटीवी फुटेज में पांच बदमाश चंदन मिश्रा पर गोलियां बरसाते दिखे थे। सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पांचों शूटर्स की पहचान हुई और पुलिस ने चार शूटर्स को कोलकाता से धर दबोचा। जबकि हत्याकांड के मास्टरमाइंड निशु खानउर्फ भाई जान को को पुलिस ने पटना से गिरफ्तार किया गया है।

रूस और यूक्रेन के आसमान पर गरजे ड्रोन और मिसाइल, नागरिकों की नींद हराम

एजेंसी, कीव/मॉस्को। रूस और यूक्रेन पर सारी रात हुए ड्रोन और मिसाइल हमलों से नागरिकों की नींद उड़ गई। रूस ने रविवार रात से सोमवार सुबह तक यूक्रेन में 450 मिसाइलें और ड्रोन दागे। यूक्रेन ने भी रूसी हमलों का जवाब दिया। उसने ड्रोन हमला कर रूस के हवाई अड्डों और रेल सेवाओं को निशाना बनाया। अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन की खबर के अनुसार, यूक्रेन की वायुसेना ने बताया कि राजधानी कीव और देश के अन्य प्रमुख शहरों के निवासियों को सारी रात धमाकों के बीच गुजारनी पड़ी। रूस ने एक के बाद एक 450 हमले किए। अधिकांश मिसाइलें मार गिराई गईं, लेकिन 23 मिसाइलें तीन जगहों पर गिरीं। रोकी गई मिसाइलों का मलबा 12 इलाकों में गिरा।

बिहार विधानमंडल में 57946.25 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश

एजेंसी, पटना

बिहार विधानमंडल में मानसून सत्र के पहले दिन 57946.25 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया गया। विधानसभा में पहले दिन वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने विधानसभा पटल पर अनुपूरक बजट पेश किया। यह वित्तीय वर्ष 2025-26 का प्रथम अनुपूरक बजट है। इसके बाद हंगामें के बीच में विधानसभा की कार्यवाही को मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। बिहार विधान परिषद में श्रम मंत्री संतोष सिंह ने 57,946.25 करोड़ रुपये का प्रथम अनुपूरक व्यय विवरणी को सदन में पेश किया। इसमें वार्षिक स्कीम मद में 36, 169 करोड़, स्थापना मद में 21,773 करोड़ और केंद्रीय क्षेत्र स्कीम

मद में 3.63 करोड़ करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। इसमें सामाजिक सुरक्षा पेंशन को लेकर सबसे अधिक राशि की व्यवस्था है। अनूपुरक बजट के बाद शोक प्रस्ताव के साथ विधानसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गयी है। इससे पहले विधानसभा के मानसून सत्र की कार्यवाही राष्ट्रगान के साथ शुरू हुई। विधानसभा अध्यक्ष के संबोधन के दौरान विपक्ष का हंगामा हुआ। विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने अपने संबोधन में सदन में मौजूद विधायकों को धन्यवाद दिया और उम्मीद जताई कि सभी सदस्य विधानसभा की गरिमा बनाए रखेंगे। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि सदन की कार्यवाही में सभी सदस्य सहयोग करेंगे।

देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम में अबतक 14 .43 लाख श्रद्धालुओं ने किया जलार्पण

एजेंसी, देवघर

सावन की दूसरे सोमवारी को लेकर देवघर के विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में लगातार श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। देवघर में भक्तों एवं श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। हर-हर महादेव और बम बोल के जयघोष के साथ शिवभक्त भगवान आशुतोष का अभिषेक कर रहे हैं। सावन के दसवें दिन सुबह 04:07 मंदिर का पट खुलते ही जलार्पण शुरू हो गया है। बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में शिवभक्तों की गूंज से पूरा रूट लाईन गुंजायमान है और कांवरिया कतारबद्ध होकर बाबा का जयघोष करते हुए जलार्पण के लिए निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। देश के हर कोने और विदेश से भी भक्त भोलेनाथ को जलार्पण करने आ रहे है। जिला प्रशासन के अनुसार 10 जुलाई से रविवार रात तक 14 लाख 43 हजार 693 श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया है। सावन की दूसरी सोमवारी को लेकर जिला उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने सम्पूर्ण मेला क्षेत्र अंतर्गत पड़ने वाले रुटलाइन का निरीक्षण किया। इसके अलावे उपायुक्त ने नेहरू पार्क स्तिथ आईएमसीआर कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर मेला को लेकर की गई तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों को मेला के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों को लेकर आवश्यक निर्देश दिए, ताकि श्रावणी मेला के दौरान चौबीसों घंटे कंट्रोल रूम एक्टिव मोड में कार्यरत रहे।

पीएम मोदी की तारीफ कर फंसे दिग्गज नेता थरूर को केरल कांग्रेस भी करने लगी बायकट

एजेंसी, तिरुवनंतपुरम

कांग्रेस के दिग्गज नेता शशि थरूर इस वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ करते नजर आते हैं। उन्होंने कई बार सराहना की है। शायद यही कारण है वे अपनी ही पार्टी के निशाने पर आ गए है। पहले पार्टी हाईकमान उनकी राष्ट्रवाद-प्रेमी टिप्पणियों से असहज नजर आया, और अब केरल में उनकी अपनी पार्टी यूनिट ने भी उनसे दूरी बना ली है। राष्ट्रीय सुरक्षा पर सरकार के समर्थन को लेकर उठे विवाद ने ऐसा तूल पकड़ा कि तिरुवनंतपुरम में अब थरूर को किसी भी पार्टी कार्यक्रम में नहीं बुलाया जाएगा। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या थरूर कांग्रेस में अकेले पड़ते जा रहे हैं? कांग्रेस और शशि थरूर के बीच बढ़ते मतभेदों के बीच, वरिष्ठ कांग्रेस नेता के मुरलीधरन ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि जब तक थरूर राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर अपना रुख नहीं बदलते, तब तक उन्हें तिरुवनंतपुरम में किसी भी पार्टी कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया जाएगा। मुरलीधरन ने

कहा कि थरूर, जो कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य भी हैं, अब हममें से एक नहीं माने जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि थरूर के खिलाफ क्या कार्रवाई होनी चाहिए, इसका फैसला पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा, जब तक वह (थरूर) अपना रुख नहीं बदलते, हम उन्हें तिरुवनंतपुरम में किसी भी पार्टी कार्यक्रम में नहीं बुलाएंगे। वह हमारे साथ नहीं हैं, इसलिए बहिष्कार जैसी कोई बात नहीं उठती। यह बयान तब आया है जब कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के अन्य सदस्य आगामी मानसून सत्र में पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर की उपलब्धियों को लेकर मोदी सरकार को घेरने की तैयारी कर रहे हैं, जिसे वे राष्ट्रीय सुरक्षा में चूक बता रहे हैं। इससे पहले मुरलीधरन ने एक सर्वे को लेकर भी थरूर पर निशाना साधा था, जिसमें उन्हें यूडीएफ की ओर से मुख्यमंत्री पद के लिए पसंदीदा बताया गया था। इस पर मुरलीधरन ने कहा था, उन्हें पहले यह तय करना चाहिए कि वे किस पार्टी में हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद थरूर की प्रतिक्रियाओं को लेकर पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से उनका टकराव सामने आया है। उनके कुछ बयानों को कांग्रेस की स्थिति को कमजोर करने वाला माना गया, जिससे पार्टी में असंतोष बढ़ गया। मुरलीधरन ने थरूर की ओर से एक मलयालम अखबार में प्रकाशित उस लेख की भी आलोचना की थी, जिसमें उन्होंने आपातकाल को लेकर इंदिरा गांधी की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि यदि थरूर कांग्रेस में खुद को असहज महसूस कर रहे हैं, तो उन्हें अलग राजनीतिक रास्ता चुन लेना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

फतुहा में सौतन पर पति के हत्या का आरोप, शरीर पर जलने के निशान

पटना। पटना के फतुहा थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति राकेश रंजन पासवान (50) की मौत के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। मृतक राकेश रंजन पासवान की पहली पत्नी ने सौतन और उसके परिजनों पर हत्या का आरोप लगाया है। राकेश रंजन पासवान (50) फतुहा नॉन कोऑपरेटिव कॉलोनी के रहने वाले थे। उनकी पहली पत्नी से चार बेटियां और एक बेटा है। उन्होंने केनरा बैंक में कार्यरत गीता रानी से दूसरी शादी की थी। गीता से उनके एक बेटी और एक बेटा है। राकेश पिछले कुछ महीनों से पहली पत्नी को फतुहा में छोड़कर दूसरी पत्नी के साथ धनबाद में रह रहे थे। राकेश की तबीयत खराब होने की सूचना मिलने पर उनकी पहली पत्नी धनबाद पहुंची। पहली पत्नी का आरोप है कि दूसरी पत्नी ने दरवाजा खोलने में देरी की। राकेश की हालत गंभीर देखकर उन्हें ट्रेन से पटना लाया गया।

दूसरी पत्नी पर हत्या का आरोपः पटना के IGIMS में डॉक्टरों ने राकेश को मृत घोषित कर दिया। पहली पत्नी के अनुसार, राकेश के शरीर पर कई जगह चोट के निशान थे। शरीर पर जलने के निशान भी मिले। मौत की सूचना के बाद पहली पत्नी परिजनों के साथ फतुहा थाना पहुंची। उन्होंने गीता रानी पर हत्या का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जीरो FIR दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जीरो FIR दर्ज, धनबाद भेजा जाएगा केसः फतुहा थानाध्यक्ष रूपक कुमार अंबुज ने इस संबंध में बताया कि धनबाद में किसी बात को लेकर राकेश का दूसरी पत्नी से विवाद हुआ था। मृतक के शरीर पर जलने के निशान दिख रहे हैं, जिस पर परिजनों ने बताया कि उनकी दूसरी पत्नी ने उन्हें प्रेस (आयरन) से जलाकर जख्म दिए थे। जब जख्म ज्यादा हो गए, तो मृतक ने अपनी पहली पत्नी को सूचना दी।

आज रिकॉर्ड बनाने मैदान में उतरेंगे वैभव सूर्यवंशी

पटना। अंडर-19 इंडिया और इंग्लैंड के बीच दूसरे टेस्ट मैच की शुरुआत हो चुकी है। यह मुकाबला इंग्लैंड के चेम्सफोर्ड स्थित मैदान पर खेला जा रहा है। हालांकि, पहले दिन इंडिया ने टॉस जीतकर फील्डिंग का फैसला लिया। इंग्लैंड ने 7 विकेट के नुकसान पर 229 रन बनाए। आज इंडिया की टीम बल्लेबाजी करने उतरेगी। सभी की निगाहें बिहार के वैभव सूर्यवंशी पर होंगी। वैभव फिर से रिकॉर्ड बनाने मैदान पर उतरेंगे। वैभव ने व्हाइट बॉल क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। U- 19 वनडे में उनके प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें रेड बॉल में भी ओपनिंग का मौका दिया गया है।

200 रन के करीब पहुंचे वैभव सूर्यवंशीः वैभव ने पिछले मैच में दोनों पारियों को मिलाकर एक अर्धशतक के साथ 70 रन बनाए थे। वैभव सूर्यवंशी ने यूथ टेस्ट में पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डेब्यू किया था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो टेस्ट की 3 पारियों में उन्होंने 1 शतक के साथ 108 रन बनाए थे। उसके बाद उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहला और अपने करियर का तीसरा यूथ टेस्ट खेला, जिसमें उन्होंने 70 रन बनाए। आज का मैच वैभव के करियर का चौथा यूथ टेस्ट होगा। इससे पहले खेले तीन टेस्ट में वो 178 रन बना चुके हैं।

यूथ वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं वैभवः अंडर-19 इंडिया और इंग्लैंड के बीच चल रहे पांच वनडे मुकाबले में वैभव ने शानदार प्रदर्शन किया था। चौथे मैच में वैभव ने शानदार शतक लगाया था। वैभव यूथ वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 52 गेंदों पर शतक बनाया और अर्धशतक सिर्फ 24 गेंदों पर पूरा किया था। उन्होंने पाकिस्तान के कामरान गुलाम का रिकॉर्ड तोड़ा था, जिन्होंने 53 गेंद पर शतक बनाया था। वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 वनडे मैच में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बन गए हैं।

अब तक नहीं सुलझी मैनेजर की मौत की गुत्थी, सूखे कुएं में मिला था शव

पटना। पटना के कंकड़बाग के मलाही पकड़ी इलाके के रहने वाले मैनेजर भीषक वरुण की मौत की गुत्थी 6 दिनों बाद भी पटना पुलिस नहीं सुलझा पाई है। 15 जुलाई की सुबह अभिषेक की लाश हसनपुर इलाके के सुनसान जगह पर कुआं के अंदर मिली थी। सूखे कुएं में नीचे उनकी बॉडी पड़ी थी और ऊपर से अपॉजिट डायरेक्शन में स्कूटी गिरी थी। इस सीन को देखकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई थी। इस घटना के पीछे वरुण के पिता ने किसी करीबी के हाथ होने की आशंका व्यक्त की थी। सुनियोजित हत्या बताई थी। पुलिस अभी तक इस मामले में पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के इंतजार में है। पटना SSP कार्तिकेय शर्मा ने रविवार के दिन मीडिया के सवाल पर कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आने पर स्पष्ट हो पाएगा।

पार्टी में गए और हुए गायबः 13 जुलाई की रात अभिषेक अपनी पत्नी और बेटी के साथ विग्रहपुर स्थित एक मैरेज हॉल में एक पार्टी में गए थे। रात करीब 10 बजे वह पत्नी-बेटी को घर छोड़कर यह कहकर निकले कि वह एक घंटे में लौट आएंगे। इसके बाद रात 2:40 बजे, अभिषेक ने पत्नी को कॉल कर कहा कि उनका एक्सीडेंट हो गया है और वह गिरे पड़े हैं। इसी समय उन्होंने डायल 112 पर भी कॉल किया, लेकिन लोकेशन ट्रेस नहीं हो पाया। इसके बाद मोबाइल बंद हो गया और फिर अभिषेक वरुण लापता हो गए। बीते सोमवार की सुबह परिजनों ने कंकड़बाग थाने को सूचना दी। मोबाइल लोकेशन के आधार पर खोजबीन शुरू हुई, जो हसनपुर गांव तक पहुंची। सोमवार रात उनका एक चप्पल खेत में मिला।

10 साल बाद कामदा एकादशी पर दूसरी सोमवारी का बन रहा संयोग, चार शुभ योग में होगी पूजा

पटना। आज सावन की दूसरी सोमवारी है। सुबह से ही मंदिरों और शिवालयों में भक्तों की भीड़ देखने को मिलेगी। सावन मास के दूसरे सोमवारी पर कामदा एकादशी का उत्तम संयोग बन रहा है। इसके अलावा आज रोहिणी नक्षत्र के साथ चार शुभ योग- वृद्धि योग, सर्वार्थ सिद्धि, जयद् योग और सर्वार्थ अमृत सिद्धि योग का पुण्यकारी संयोग है। आज शिव के साथ श्रीहरि विष्णु की भी पूजा होगी। जहां श्रद्धालु शिव को बेलपत्र तो विष्णु को तुलसी से पूजन करेंगे।

10 वर्ष बाद कामदा एकादशी पर दूसरी सोमवारी का संयोगः आचार्य राकेश झा ने बताया कि कामदा एकादशी पर सावन की दूसरी सोमवारी का संयोग पूरे 10 वर्ष बाद आया है। वर्ष 2015 के ऐसा संयोग बना था। इसके पूर्व में 2008 में भी यही संयोग था। सोमवारी में शिव की सच्चे मन से पूजा करने पर कई गुणा पुण्यफल मिलेगा। भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए उनपर गंगाजल, दूध, भांग-धतूरा, अकवन, मधु, घी आदि अर्पित किए जाएंगे।

शिव के साथ पार्वती की होगी विशेष पूजाः ज्योतिषी झा ने कहा कि आज सावन कृष्ण एकादशी के दिन पति-पत्नी एक साथ भगवान शंकर के साथ माता पार्वती का यथोचित पूजन कर उनको श्रृंगार प्रसाधन अर्पित करने से वैवाहिक जीवन खुशहाल रहेगा। सोमवारी के दिन शिव की पूजा करने से कुंवारी कन्याओं को मनचाहा वर मिलता है। वहीं, सुयोग्य और सुलक्षणा पत्नी पाने के लिए कुंवारे भोलेनाथ को जलार्पण कर व्रत रखेंगे। शिवलिंग को गंगाजल, पंचामृत, गन्ना रस, दूध, दही, घी, मधु व गुड़ से स्नान कराकर उनका चंदन, फूलमाला, बेलपत्र, अकवन, इत्र आदि से उनका श्रृंगार कर ऊँ उमामहेश्वराय नमः मंत्र का जाप करने से सर्वकामना पूर्ण होते है।

पटना में बीच सड़क युवक का हत्या, बदमाशों ने मारी गोली

एजेंसी, पटना

लोगों ने घेरा तो बाइक छोड़कर भागे

पटना में एक बार फिर से बदमाशों ने एक शख्स की गोली मारकर हत्या कर दी है। मृतक की पहचान आदित्य कुमार के रूप में हुई है। सोमवार की सुबह आदित्य अपने घर के पास खड़े थे,तभी एक बाइक पर सवार होकर 3 बदमाश पहुंचे और आदित्य के सिर में गोली मार दी। गोली गलते ही आदित्य जमीन पर गिर पड़ा।

फायरिंग की आवाज सुनकर मौके पर आसपास के लोग जुट गए। लोगों की भीड़ जुटती देखकर बदमाश अपनी बाइक छोड़कर ही मौके से फरार हो गए। आदित्य को परिजन अस्पताल ले जा रहे थे,लेकिन रास्ते में ही आदित्य ने दम तोड़ दिया। वारदात पटना के दुल्हिन बाजार थाना इलाके के सदावह गांव की है।

10 कट्ठा जमीन को लेकर चल रहा था विवादः मृतक के पिता विजय सिंह ने बताया कि, 10 कट्ठा जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। उन्होंने गांव के ही नीतीश कुमार और उसके साथियों पर हत्या का आरोप लगाया है। विजय सिंह के अनुसार, आदित्य कल ही पटना से घर लौटा था। सुबह नीतीश कुमार अपने साथियों के साथ आया और जमीनी विवाद को लेकर मारपीट शुरू की। इसके बाद सिर में गोली मार दी।

घटनास्थल से अपराधियों की बाइक बरामदः पटना पश्चिम सिटी SP भानु प्रताप सिंह ने बताया कि सदावह गांव में एक युवक की गोली मारकर हत्या की गई है। मृतक की पहचान आदित्य कुमार उर्फ छोटू के रूप में हुई है। घटना के पीछे का कारण जमीनी विवाद सामने आ रहा है। पुलिस ने अपराधियों की पहचान कर ली है। फिलहाल घटना स्थल से एक बाइक को भी बरामद किया गया है जो अपराधी का बताया जा रहा है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

5 सितंबर को पटना में राष्ट्रीय लोक मोर्चा की रैली होगी

एजेंसी, पटना

♦ उपेंद्र कुशवाहा बोले- जनता का एनडीए पर भरोसा, महागठबंधन की नहीं गलने वाली है दाल

राष्ट्रीय लोक मोर्चा (RLM) सुप्रीमो उपेंद्र कुशवाहा ने कहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में महागठबंधन और राजद चाहे जितनी भी कोशिश कर लें, इस बार उनकी दाल गलने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि जनता का भरोसा एनडीए पर ही है। यदि कोई शिकायत होगी भी तो उसका समाधान सिर्फ एनडीए ही कर सकती है, महागठबंधन नहीं। उपेंद्र कुशवाहा सोमवार को प्रेस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि रविवार को समस्तीपुर में पार्टी की प्रदेश कार्य समिति की बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में तय किया गया कि 5 सितंबर को पटना के मिलर स्कूल ग्राउंड में संविधान परिसीमन सुधार को लेकर महारैली का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि, "विधानसभा चुनाव को लेकर बूथ स्तर तक तैयारी चल रही है। हमारी पार्टी की तैयारी मजबूती से होगी, ताकि कोई चूक न हो। एनडीए ने जो लक्ष्य तय किया है, राष्ट्रीय लोक मोर्चा उसके लिए पूरी ताकत से तैयारी कर रही है।" महागठबंधन और राजद पर निशाना साधते हुए कुशवाहा ने कहा, "राजद यह सोच रही है कि पिछले चुनाव से बेहतर परिणाम इस बार उनके पक्ष में आएंगे। लेकिन, ऐसा नहीं होने वाला। एनडीए सरकार जिस तरीके से काम कर रही है, चाहे वह मुफ्त बिजली, रोजगार, महिलाओं के आरक्षण की बात हो, हर स्तर पर उसकी सराहना हो रही है।

सीएम के सामने विजय सिन्हा ने अशोक चौधरी को फटकारा

एजेंसी, पटना

विधानसभा के मानसून सत्र की कार्यवाही स्थगित होने के बाद सोमवार को सेंट्रल हॉल में NDA की मीटिंग में जमकर बवाल हुआ। बैठक में उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा और मंत्री अशोक चौधरी के बीच कहासुनी हुई। नीतीश कुमार के सामने ही विजय सिन्हा ने अशोक चौधरी को फटकार लगा दी।

ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यक्रम में स्थानीय विधायक को नहीं बुलाए जाने पर विजय सिन्हा ने अशोक चौधरी से नाराजगी जताई थी। विजय सिन्हा ने यहां तक कहा कि गठबंधन धर्म का पालन एक सहयोगी नहीं, बल्कि सभी सहयोगी को करना होगा। इस बैठक में प्रहलाद यादव का मामला भी विजय सिन्हा ने उठाया है। विजय सिन्हा ने कहा, प्रहलाद यादव ने सरकार बनाने में समर्थन दिया। इसकी जानकारी पहले ही शीर्ष नेताओं को थी।

ग्रामीण कार्य विभाग में ग्लोबल टेंडरिंग को लेकर विधायकों ने भी आपत्ति जताई है। बीजेपी विधायक ज्ञानेंद्र सिंह ज्ञानू समेत कई विधायकों ने ग्लोबल टेंडरिंग को लेकर मंत्री अशोक चौधरी को खरी खोटी सुनाई है। विधायकों ने कहा- ग्लोबल टेंडरिंग से चुनाव में नुकसान होगा।

जूनियर डॉक्टर का 3 दिन बाद भी पोस्टमार्टम नहीं हुआ

एजेंसी, पटना

♦ परिजन पीएमसीएच ले गए शव, भाई बोला- मेरे भाई को एम्स में मेंटली ह्रास किया, उसने सुसाइड नहीं किया है

पटना AIIMS के डॉ की मौत के 3 दिन बाद भी उनका पोस्टमार्टम नहीं हुआ है। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर यजुवेंद्र साहू की मौत 19 जुलाई को संदिग्ध हालत में हुई थी। ओडिशा से पटना पहुंचे डॉ के परिजन तीन दिनों तक एम्स प्रशासन से मिलने का प्रयास करते रहे। परिवार के पांच सदस्य लगातार एम्स प्रशासन के कार्यालय का चक्कर लगाते रहे, लेकिन प्रशासन ने उनकी कोई सुध नहीं ली।

डॉ का भाई बोला- उसने सुसाइड नहीं कियाः डॉ यजुवेंद्र के भाई राकेश कुमार ने बताया कि मेरे भाई ने सुसाइड नहीं किया है। उसे एम्स के लोगो ने मेंटली ह्रास किया गया। उसे मरने के लिए मजबूर किया गया है।

3 दिन बाद शव को लेकर PMCH गए परिजनः तीन दिनों तक एम्स में पोस्टमार्टम नहीं होने के कारण परिजन सोमवार को शव को लेकर पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (पीएमसीएच) पहुंचे। परिवार ने एम्स प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। इसी बीच, पटना एम्स के रेजिडेंट डॉक्टर और छात्रों ने मामले की पारदर्शी और स्वतंत्र जांच की मांग की है। उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री को पत्र लिखकर एम्स की व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। लेटर में डॉक्टर साहू की मौत की परिस्थितियों की जांच की मांग की गई है।

पूर्व छात्र प्रेसिडेंट ने ट्वीट कर मांगा इंसाफः वहीं, सोशल मीडिया पर पटना एम्स के पूर्व छात्र प्रेसिडेंट डॉक्टर तुषार कुमार ने पीएमओ से लेकर हेल्थ मिनिस्ट्री और सभी को ट्वीट किया है। लिखा है 'डॉ. जेडी साहू के लिए न्याय। एम्स पटना में प्रथम वर्ष के ओबीजीवाई रेजिडेंट की दुखद मौत के 48 घंटे बीते। उन्होंने हफ्ते में कई बार 36 घंटे की शिफ्ट में काम किया, मरीजों का इलाज करने के लिए खाना और सोना छोड़ दिया, फिर भी अंततः काम के दबाव और मानसिक उत्पीड़न के आगे झुक गए'। बता दें कि 19 जुलाई को पटना AIIMS के हॉस्टल में डॉक्टर ने सुसाइड कर किया था। बतायागया कि शनिवार की सुबह वो बेहोशी का इंजेक्शन लेकर सो गए। 4-5 घंटे कमरे का गेट नहीं खुला तो दोपहर में साथियों ने AIIMS प्रशासन को सूचना दी। फिर फुलवारी शरीफ थाने की पुलिस की मौजूदगी में गेट खोला गया। अंदर पहुंचे तो बेड पर बॉडी पड़ी मिली। फिर इमरजेंसी वार्ड लाया गया, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई।

बिहार विधान परिषद के पूर्व सदस्य विनोद कुमार सिंह कांग्रेस में शामिल, कहा- कार्यकर्ताओं की अब वहां कोई पूछ नहीं

एजेंसी, पटना

♦ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बोले- जदयू में अभी भगदड़ का माहौल

बिहार विधान परिषद के पूर्व सदस्य विनोद कुमार सिंह कांग्रेस में शामिल हुए। वह पहले JDU में थे। उन्होंने कहा कि JDU में अब गिने चुने लोगों की ही पूछ है। कार्यकर्ताओं की अब वहां कोई पूछ नहीं है। उन्हें तरजीह नहीं दी जाती है। बिहार में अब नीतीश बाबू का नहीं RSS का शासन चल रहा है। कुछ रिटायर्ड अधिकारी मिलकर सरकार चला रहे हैं और लूटने का काम कर रहे हैं।

JDU में अभी भगदड़ का माहौलः वहीं बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि JDU में अभी भगदड़ का माहौल है। इसमें कई विषय को देखने की आवश्यकता है। अभी गुंडा राज से ऊबकर कई लोग कांग्रेस पार्टी को ज्वाइन कर रहे हैं। अभी बिहार विधानसभा चल रही है। जब सर्वदलीय बैठक हुई, तो हमने दो विषय पर अपनी पार्टी का स्टैंड रखा। पहला की जिस बिहार में गुंडा राज है, उसपर हमने सरकार से जवाब चाहते हैं। लॉ एंड ऑर्डर और बलात्कार की घटना पर अपना वक्तव्य दें, मगर सरकार ने बना कर दिया। जैसे एक पुलिस वाले ने सारे अपराधी घटनाओं को किसान और युवाओं के माथे मढ़ दिया। उसी तरह सरकार ने भी कहा कि इस मौसम में अपराधी घटनाएं घटती है। इसलिए सदन के अंदर इसकी आवश्यकता नहीं है।

JDU-BJP की सरकार क्या सोच रही हैः राजेश राम ने कहा कि हमने SIR पर जवाब मांगा कि क्यों वोटरों को वोट देने से वंचित करने की साजिश की जा रही है। ऐसे में जो वोटर वोट देने के अधिकार से वंचित हो जाएंगे उनके बारे में जेडीयू और भाजपा की सरकार क्या सोच रही है। उन्होंने यह कहकर मना कर दिया कि यह इलेक्शन कमीशन का मामला है। इसलिए इसे सदन में नहीं लाया जा सकता है। हम सभी इंडिया गठबंधन के लोगों ने सोचा कि SIR और गुंडा राज को लेकर कल से सरकार को सदन के अंदर घेरने का काम करेंगे। कल सदन के अंदर हम सरकार को रोकेंगे। हम ऐलान करते हैं कि कल सदन के अंदर हम सरकार को घुसने नहीं देंगे।

बिहार में नीतीश कुमार का सम्मान नहींः बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने कहा कि बीजेपी बिहार में नीतीश कुमार का सम्मान नहीं कर रही, बाकी किसी और की क्या ही उम्मीद की जा सके। अगर नीतीश कुमार की चल रही होती तो वह कब का मंत्रिमंडल से जीवेश मिश्रा को हटा देते।

गंगा नदी में बहने लगे 5 बच्चे, तीन को बचाया

♦ दो बच्चों की तलाश में जुटी एसडीआरएफ की टीम, स्नान करने के दौरान हुआ हादसा

एजेंसी, पटना

पटना सिटी के आलमगंज थाना क्षेत्र के भद्र घाट पर सोमवार को गंगा स्नान के दौरान पांच बच्चे नदी की तेज धार में फंस गए। SSB के जवानों ने तीन बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, दो बच्चे तेज धार में बह गए। SDRF की तीन टीमें लापता बच्चों की तलाश में जुटी हैं। बड़ी पटन देवी कॉलोनी के सभी बच्चे 12 से 14 वर्ष की उम्र के थे। गंगा नदी में लापता हुए बच्चों की पहचान बड़ी पटन देवी कॉलोनी के वकील महतो के बेटे शिवम कुमार (16) और रंजन कुमार के बेटे पवन कुमार (17) के रूप में हुई है। SDRF टीम लगातार गंगा नदी में रेस्क्यू ऑपरेशन कर रही है। घटना के चार घंटे से अधिक गुजर जाने के बाद भी गंगा नदी में लापता हुए युवक का कोई सुराग नहीं मिला है। SSB के अधिकारी अजीत सिंह जडेजा ने बताया कि वर्तमान में गंगा नदी में जलस्तर बढ़ा हुआ है। तेज धार के कारण नदी में स्नान करना खतरनाक है। प्रशासन ने लोगों की सुरक्षा के लिए कई घाटों पर SDRF की टीमें तैनात की हैं। साथ ही कई जगहों पर बैरिकेडिंग भी की गई है। चेतावनी के बावजूद लोग निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं।

नीट की तैयारी कर रहे छात्र ने की आत्महत्या

एजेंसी, पटना

♦ कम मार्क्स आने के कारण डिप्रेशन में था, फंदे से लटक दी जान, अप्रैल में हुई थी शादी

पटना में NEET की तैयारी कर रहे छात्र रोहित कुमार मेहता (22) ने कम मार्क्स आने के कारण सुसाइड कर लिया। पूरा मामला दानापुर के साधना कॉटेज हॉस्टल का है, जहां बक्सर जिले के चनवथ गांव निवासी मुखिया पंकज कुमार मेहता का बेटा पटना में रहकर NEET की तैयारी कर रहा था। रोहित के रूम पार्टनर आर्यन ने बताया कि, वह पटना इस्कॉन मंदिर घूमने गया था। रात साढ़े आठ बजे लौटने पर कमरा अंदर से बंद मिला। आवाज देने पर भी दरवाजा नहीं खुला। हॉस्टल मालिक और अन्य छात्रों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया। अंदर रोहित पंखे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और FSL की टीम मौके पर पहुंची। FSL टीम ने कमरे से साक्ष्य जुटाए। डुमराव विधायक डॉ. अजीत कुशवाहा भी घटनास्थल पर पहुंचे। मृतक के पिता पंकज कुमार मेहता ने बताया कि रोहित पहले बिहटा में रहकर फिजिक्सवाला संस्थान में पढ़ाई करता था। इस बार नीट परीक्षा में कम मार्क्स आने से वह डिप्रेशन में था। परिवार वाले उसे समझाते रहे। 11 अप्रैल को उसकी शादी हुई थी। रोहित ने दोपहर ढाई बजे के करीब अपने घर फोन पर बात हुई थी। उस समय वह ठीक ठाक था। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है। होस्टल संचालक रौशन कुमार ने बताया कि रोहित 3 जून को होस्टल में रहने आया था। रोहित और आर्यन एक ही कमरे में रहते थे। शाम साढ़े आठ बजे रूम पार्टनर ने बताया कि रोहित दरवाजा नहीं खोल रहा था। इसके बाद हम लोगों ने दरवाजा तोड़ा तो देखा की रोहित पंखे में फंदे से लटका हुआ है।

25 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

एजेंसी, पटना

♦ जमुई में पुल में दरार, मुंगेर-भागलपुर-पटना में गंगा वॉर्निंग लेवल के पार
♦ अबतक सामान्य से 41% कम बारिश

बिहार के 25 जिलों में आज बारिश का यलो अलर्ट है। विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटे के दौरान तेज हवा के साथ भारी बारिश भी हो सकती है। बिहार में अगले एक हफ्ते तक मौसम में बदलाव की संभावना नहीं है। पटना समेत दक्षिण बिहार के कुछ इलाकों में तेज बारिश हो सकती है। हालांकि, उमस भरी गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम है। बीते दिन भागलपुर, पटना समेत प्रदेश के 10 जिलों में बारिश हुई। सबसे ज्यादा बारिश अररिया में 160 मिमी बारिश हुई। जबकि भागलपुर में 107 मिमी बारिश दर्ज किया गया। रुक-रुककर हो रही बारिश से जहां भागलपुर और मुंगेर में गंगा में जलस्तर में बढ़ोतरी हुई है। भागलपुर में गंगा का वॉर्निंग लेवल 32.68 है। यहां गंगा 32.78 पर पहुंच गई है। मुंगेर में गंगा 38.42 मीटर पर पहुंच चुकी है। यहां वार्निंग लेवल 38.33 मीटर है। जमुई में पुल में दरार आ गई तो मुंगेर में डायवर्जन बह गया।

जमुई के बरमसिया पुल में दरारः इधर, जमुई के उलाय नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। मात्र 15 मिनट में पानी बरमसिया पुल की सतह से एक फीट नीचे तक पहुंच गया। जिससे काजवे पुल में दरार आ गई। पानी के प्रेशर से आसपास के बिल्डिंग भी झुक गई। फिलहाल, प्रशासन ने काजवे पुल के दोनों ओर 4 फीट का दीवार खड़ी कर लोगों की आवाजाही पूरी तरह से बंद कर दिया है। पुल के बंद होने से तीन प्रखंड चकाई, सोनो, झाझा के एक दर्जन से अधिक गांव के लोग प्रभावित हुए हैं।

कोसी का बढ़ा लेवल, पटना में ऊफानई गंगाः नेपाल की तराई और पहाड़ी क्षेत्र में हो रही बारिश का असर कोसी नदी के जलस्तर पर देखा जा रहा है। कोसी बराज के 56 में से 18 फाटक खोले गए हैं ताकि निकासी से निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा कम किया जा सके। इस साल तीसरी बार बराज का डिस्चार्ज 1 लाख क्यूसेक पार पहुंच गया है। इधर, पटना के बाढ़ में दरधा और धोबा नदी में बांध पर दबाव बढ़ गया है।

दनियावां के सलारपुर, होरल बिगहा के महत्माइन टाल में पानी सड़क पर बह रहा है। शाहजहांपुर के मसनदपुर में जमींदारी बांध पर भी पानी का दबाव बढ़ता जा रहा है। फतुहा के मोमिनपुर पंचायत के निसबुचक गांव में धोबा नदी के पानी से कटाव हो रहा है। पटना में गंगा का जलस्तर बढ़ रहा है। रविवार शाम गंगा खतरे के निशान से ऊपर थी।

09 से 14 वर्ष की बच्चियों का टीकाकरण किया जा रहा है

सर्वाइकल कैंसर से बचाव को एचपीवी टीकाकरण जरूरी : डॉ. एससी शर्मा

टीके लेने के लिए अभिभावक की सहमति आवश्यक है

बीएनएम@मोतिहारी

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए बिहार सरकार के द्वारा एचपीवी टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 09 वर्ष से 14 वर्ष तक की बच्चियों का टीकाकरण किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में जिले के डीआईओ डॉ. शरत चंद्र शर्मा ने बताया की

प्रारम्भिक रुप से मोतिहारी नगर के विद्यालयों का आच्छादन किया जाना है। इस कार्यक्रम को लेकर एचपीवी टीकाकरण में कार्य करनेवाली टीम के कार्यशाला का आयोजन जीएनएम स्कूल सदर अस्पताल में किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य कर्मियों का प्रशिक्षण

डब्ल्यूएचओ के एसएमओ डॉ. मनोज तुमराडा के द्वारा दिया गया। उन्होंने बताया कि टीकाकरण के दिन सभी बच्चियों का निबंधन करवाना आवश्यक है। टीकाकरण के बाद उनके मोबाइल नम्बर पर टीकाकरण सर्टिफिकेट भी उपलब्ध होगा। इन्होंने बताया कि टीकाकरण का किसी तरह का गंभीर दुष्परिणाम नहीं होता। टीकाकरण कार्यक्रम में हर सेशन साईट पर आरबीएसके की मेडिकल टीम मौजूद रहेगी, जिससे उन्हें तत्काल चिकित्सा उपलब्ध करवाई जा सकती है। सेशन के दौरान एईएफआई से बचाव के लिए पुरी सुविधा रखी गई है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी ने बताया कि यह कार्यक्रम महिलाओं में होनेवाले बच्चेदानी के मुंह के कैंसर से बचाव के लिए दिया जाना है। यह 9 वर्ष से 14 वर्ष तक की बच्चियों को दिया जा रहा है। इन्होंने बताया कि विद्यालय से प्रारम्भ होनेवाले कार्यक्रम हर गांव तक पहुंचेगी। सभी 9 वर्ष से 14 वर्ष तक की बच्चियों के टीके लगेंगे। वहीं युनिसेफ के धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि शहर के चिन्हित विद्यालयों से यह प्रारम्भ किया जाना है। इसमें बच्चियों को अभी टीके देकर उन्हें भविष्य के लिए सुरक्षित किया जा सकेगा।इस बैठक के शिक्षा विभाग के साथ समन्वय बैठक किया गया। बच्चियों की सूची अगर तैयार है तो हमें पहले उपलब्ध करवाकर सदर अस्पताल के टीकाकरण काउंटर पर भी टीके ले सकते हैं, यहां विधालय के बाहर की भी बच्चियां जिनका आधार नम्बर उपलब्ध है टीके ले सकती हैं। इसके लिए अभिभावक की सहमति आवश्यक है। मौके पर जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. शरतचंद्र शर्मा, डब्ल्यूएचओ के एसएमओ डॉ. मनोज तुमराडा, युनिसेफ के डॉ. धर्मेन्द्र कुमार, शिक्षा विभाग के शकील अहमद व अन्य लोग उपस्थित रहे।

डीएम में राजनीतिक दलों के साथ विशेष गहन पुनरीक्षण-2025 पर बैठक संपन्न

बीएनएम@मोतिहारी

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण-2025 के तहत पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में सोमवार को उनके कार्यालय कक्ष में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस दौरान पूर्व मंत्री एवं विधायक प्रमोद कुमार भाजपा जिलाध्यक्ष पवन राज सहित विभिन्न दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में कुल 36,89,848 मतदाताओं में से अब तक 32,11,014 (87.02%) मतदाताओं के गणना प्रपत्र आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किए जा चुके हैं। इनमें से 31,24,652 फॉर्म बीएलओ द्वारा और 84,680 फॉर्म नागरिकों द्वारा स्वेच्छा से भरे गए हैं। सिर्फ 19 जुलाई को ही 28,406 प्रपत्र अपलोड किए गए। विधानसभावार समीक्षा में सबसे बेहतर प्रदर्शन ढाका विधानसभा क्षेत्र (91.26%) का रहा, जबकि मोतिहारी क्षेत्र (78.31%) सबसे पीछे रहा। पुनरीक्षण प्रक्रिया में अब तक 93,647 नाम मतदाता सूची से विलोपित किए गए हैं, जिनमें 36,062 मृत, 39,029 स्थानांतरित, 23,899 डुप्लीकेट तथा 4,657 अन्य श्रेणियों में शामिल हैं। डीएम ने कहा कि यह कार्य कोई नया नहीं है, बल्कि सतत चलने वाली प्रक्रिया है। अंतर केवल इतना है कि इस बार प्रत्येक मतदाता का शुद्धता के साथ भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 7 जनवरी 2025 की सूची में शामिल सभी मतदाताओं के लिए प्रीप्रिंटेड फॉर्म भरना अनिवार्य है, जिसे 26 जुलाई तक बीएलओ को सौंपना होगा। आगामी कार्यक्रम की जानकारी देते हुए डीएम ने बताया कि 1 अगस्त को ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन होगा, 1 सितंबर तक दावा-आपत्ति की अवधि निर्धारित है और 30 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभी प्राथमिकता फॉर्म भरने की है, दस्तावेजों की कठोर जांच बाद में की जाएगी। बैठक में सभी राजनीतिक दलों को छूटे हुए मतदाताओं की सूची सौंपी गई, ताकि वे अपने बीएलए के माध्यम से उन मतदाताओं के नाम जुड़वाने में सहयोग कर सकें। बैठक में कई प्रशासनिक पदाधिकारी एवं प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

हरसिद्धिः पुलिस ने तीन पियक्कड़ समेत 8 को भेजा जेल

बीएनएम@हरसिद्धि

थाना क्षेत्र में चलाए जा रहे समकालीन छापेमारी अभियान के तहत रविवार के रात्रि में पुलिस को बड़ी सफलता मिली। शराब पीने और बेचने के आरोप में कुल आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के बाद सोमवार को सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। शराब पीने के आरोप में मोतिहारी के बसवरिया गांव निवासी स्व. सजावल तिवारी के पुत्र शंभू नाथ तिवारी, स्व. रामविलास प्रसाद के पुत्र ब्रजभूषण प्रसाद और हरसिद्धि के बनछीवली गांव निवासी स्व. रामनाथ चौधरी के पुत्र शकल चौधरी को गिरफ्तार किया गया। इन तीनों पर बिहार मध्य निषेध उत्पाद संशोधन अधिनियम 2022 की धारा 37 के तहत कार्रवाई की गई। वहीं, शराब बेचने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें मानिकपुर निवासी सुनील दास के पुत्र संदीप कुमार, घोघरहां बैरिया निवासी विगु मांझी की पत्नी उर्मिला देवी, सोनबरसा निवासी राजा महतो के पुत्र दीप देव महतो, जोगिया निवासी शिवनाथ सहनी के पुत्र कंगड सहनी और घीवाढार निवासी जगदेव राम की पत्नी उर्मिला देवी शामिल हैं। इन सभी पर बिहार मध्य निषेध उत्पाद संशोधन अधिनियम 2022 की धारा 30(ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने जानकारी दी कि सभी गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

पुलिस डाल-डाल, शराब कारोबारी पात-पातः भारी मात्रा में चुलाई व अंग्रेजी शराब बरामद, एक गिरफ्तार

बीएनएम@मृत्युंजय पाण्डेय

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले में शराबबंदी कानून को धता बताते हुए शराब कारोबारी लगातार पुलिस को चुनौती दे रहे हैं। "पुलिस डाल-डाल, तो शराब कारोबारी पात-पात" की कहावत एक बार फिर चरितार्थ हुई है। ताजा मामला स्थानीय मुख्य बाजार का है, जहां पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर भारी मात्रा में अवैध चुलाई व अंग्रेजी शराब बरामद की है और एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है।

सोमवार को हुई कार्रवाई में पुलिस ने बाजार स्थित एक घर से 184.5 लीटर चुलाई शराब और 10.8 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त की है। साथ ही, शराब के धंधे में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान स्व. ध्रुप नारायण प्रसाद के पुत्र राजू कुमार के रूप में की गई है। पुलिस ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह छापेमारी की गई थी। जब्त शराब और बाइक को कब्जे में लेकर मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

गौरतलब है कि कुछ दिन पूर्व अंचलाधिकारी कुंदन कुमार की निगरानी में पुलिस द्वारा 1,152 लीटर चुलाई शराब को नष्ट किया गया था। साथ ही, आठ जुलाई

को थाना क्षेत्र के मेहवा से 350 लीटर चुलाई शराब बरामद की गई थी।

सूत्रों के अनुसार, मेहवा, मूसवा, कैथवलिया व भवानीपुर जैसे ग्रामीण इलाके चुलाई शराब के निर्माण और वितरण के प्रमुख केंद्र बने हुए हैं, जबकि नगर पंचायत क्षेत्र में चुलाई के साथ-साथ अंग्रेजी शराब की आपूर्ति व होम डिलीवरी का कारोबार तेजी से फल-फूल रहा है।

जानकारों का मानना है कि एक ओर ग्रामीण क्षेत्र अवैध चुलाई शराब के कारण सामाजिक और स्वास्थ्य संकट से जूझ रहा है, तो दूसरी ओर शहरी इलाकों में होटलों और नेटवर्क के माध्यम से अंग्रेजी शराब की बिक्री जोरों पर है। बताया जा रहा है कि प्लेटफार्मों पर यूपी व अन्य राज्यों से रेलमार्ग द्वारा शराब पहुंचाई जाती है, जिसे स्थानीय कारोबारी पहले से मौजूद नेटवर्क के जरिए आसानी से उठा लेते हैं। प्रशासन भले ही लगातार कार्रवाई का दावा कर रहा हो, लेकिन शराब माफिया पुलिस की रणनीतियों को मात देकर अपना नेटवर्क मजबूत बनाए हुए हैं।

बेल्ट्रॉन कर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल से अंचल कार्यालय का कामकाज प्रभावित

रामगढ़वा प्रखंड में दाखिल-खारिज व अन्य कार्य ठप, आम जनता परेशान

बीएनएम@रामगढ़वा

बिहार स्टेट इलेक्ट्रॉनिक डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (बेल्ट्रॉन) के माध्यम से विभिन्न विभागों में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटरों की 11 सूत्री मांगों को लेकर पिछले चार दिनों से अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी है। इसका असर रामगढ़वा अंचल कार्यालय में भी देखने को मिल रहा है, जहां डाटा एंट्री ऑपरेटर की हड़ताल पर जाने से दाखिल-खारिज, परिमार्जन, प्रमाण पत्र निर्गमन जैसे कार्य ठप हो गए हैं।

दूरदराज से अंचल कार्यालय पहुंचने वाले लोगों को रोज निराश लौटना पड़ रहा है। लोग एक ही काम के लिए कई-कई दिन चक्कर काट रहे हैं।

हड़ताली ऑपरेटरों की ओर से जिला संघ के प्रवक्ता मंटू कुमार गुप्ता, उमाशंकर कुमार, नगीना यादव आदि ने बताया कि वे अपनी 11 सूत्री मांगों को लेकर आंदोलन पर हैं। उनकी प्रमुख मांगों में वेतन पुनरीक्षण, ग्रेड प्रमोशन, सेवा सुरक्षा, अनुग्रह अनुदान में वृद्धि, समायोजन की स्थायी व्यवस्था तथा ग्रेच्युटी की राशि बढ़ाकर 20 लाख रुपए करने की मांग शामिल है।

कर्मचारियों का कहना है कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लेती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

सावन के दूसरी सोमवार को केसरनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

बीएनएम@केसरिया।

सावन मास की दूसरी सोमवार को केसरनाथ महादेव मंदिर में जलाभिषेक को लेकर भारी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। अहले सुबह से ही केसरनाथ महादेव मंदिर में शिवभक्तों की भीड़ उमड़ने लगी। सतरघाट, डुमरियाघाट सहित अन्य जगहों से जलभर श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। जहां जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर प्रबंधन समिति के द्वारा इस बार अर्घा लगाया गया है। जिसके माध्यम से जलाभिषेक किया गया। श्रद्धालुओं की भीड़ देखते हुए मंदिर के मुख्य द्वार से करीब तीन सौ मीटर तक बैरिकेडिंग किया गया था। जिसमें महिला व पुरुष के लिए अलग अलग कतार बनाया गया था। विधि व्यवस्था को लेकर मंदिर व मेला परिसर में दंडाधिकारी व पुलिस बल की तैनाती की गई थी। इधर, क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में भी श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया।

तुरकौलिया में तुषार गांधी के अपमान पर गांधीघाट पर धरना, विरोध में उठी आवाजें

बीएनएम@तुरकौलिया

तुरकौलिया के ऐतिहासिक गांधीघाट पर सोमवार को महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी के अपमान के विरोध में एक दिवसीय धरना दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी संगठन एवं उत्तराधिकारी संगठन द्वारा किया गया, जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष किशोर पांडेय ने की। धरना को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि आज हम जिस आज़ादी का आनंद ले रहे हैं, वह स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और त्याग की देन है।

चंपारण की इसी धरती ने महात्मा गांधी को "बापू" बनाया, लेकिन उसी कर्मभूमि पर उनके प्रपौत्र तुषार गांधी का अपमान होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि "आज़ादी के सात दशक बाद भी गांधीवादी विचारधारा पर गोडसेवादी सोच हावी होती जा रही है। 'अतिथि देवो भवः' की मर्यादा को भी यहाँ के एक जनप्रतिनिधि द्वारा तार-तार किया गया है, जो निंदनीय है।" उन्होंने दोषी व्यक्ति से सार्वजनिक माफी की मांग करते हुए कहा कि यह केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि गांधीवादी मूल्यों का अपमान है। इस मौके पर उपस्थित लोगों ने गांधीवादी मूल्यों की रक्षा करने का संकल्प भी लिया। धरना में अमिता निधि, उषा त्रिवेदी, रामदेव यादव, रविन्द्रनाथ सिंह, रंजीत पांडेय, मनोज कुमार, संजय कुमार, दिनानाथ राम, सोहनलाल भगत, सुनील कुमार, डी. के. सिंह, राजदेव यादव, रामचंद्र साह, आलम, औरंगजेब आलम, पंकज शर्मा, भोला साहनी, संतु राम, राजकुमार, एवं गणेश कुमार समेत कई सामाजिक कार्यकर्ता व नागरिक शामिल हुए। धरना में उपस्थित लोगों ने स्पष्ट किया कि यदि तुषार गांधी से की गई बदसलूकी पर दोषियों द्वारा माफी नहीं मांगी गई, तो आगे और उग्र आंदोलन किया जाएगा।

जीविका द्वारा संकुल संघों के पंजीकरण हेतु उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

सहायक सहकारिता पदाधिकारी व डीपीएम ने दिए दिशा-निर्देश

बीएनएम@मोतिहारी

जिला जीविका कार्यालय में सोमवार को एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के सहायक सहकारिता पदाधिकारी सत्येन्द्र कुमार सिन्हा एवं जिला परियोजना प्रबंधक (डीपीएम) गणेश पासवान ने जिले के सभी प्रखंड परियोजना प्रबंधकों एवं जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य जिले के संकुल स्तरीय संघों (CLF) को बिहार कोआपरेटिव पंजीकरण अधिनियम, 1996 के तहत पंजीकरण की प्रक्रिया, नियमों और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देना था। डीपीएम गणेश पासवान ने बताया कि संकुल संघों का पंजीकरण अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यह न केवल उन्हें कानूनी मान्यता प्रदान करता है, बल्कि सरकारी योजनाओं, बैंक ऋण, अनुदान व अन्य वित्तीय सहायता प्राप्त करने में भी सहायक होता है। इससे समूहों की आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक सशक्त कदम उठाया जा सकता है।

सहायक सहकारिता पदाधिकारी सत्येन्द्र कुमार सिन्हा ने सभी संकुल संघों को पंजीयन प्रक्रिया में हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया और कहा कि इससे जुड़ी किसी भी प्रकार की तकनीकी या दस्तावेजी समस्या के समाधान हेतु उनका कार्यालय सदैव तत्पर रहेगा। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि पंजीकृत स्वयं सहायता समूह बैंकों से आसानी से ऋण ले सकते हैं, जिससे वे स्वरोजगार, व्यवसाय विस्तार एवं समुदाय के सामाजिक-आर्थिक विकास में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। साथ ही, उन्होंने जोर दिया कि इस प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा कर जिले के सभी संकुल संघों को लाभांवित किया जाए। अंत में सभी उपस्थित पदाधिकारियों एवं प्रबंधकों ने इस दिशा में तेजी से कार्य करते हुए सभी संकुल संघों का जल्द पंजीकरण सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

लायंस क्लब ऑफ रक्सौल की सत्र 25-26 की प्रथम मासिक बैठक संपन्न

बीएनएम@रक्सौल

रक्सौल के स्थानीय कावेरी होटल में लायंस क्लब ऑफ रक्सौल की लायनिस्टिक वर्ष 2025-2026 की प्रथम मासिक बैठक क्लब अध्यक्ष लायन बिमल सर्राफ की अध्यक्षता में साथ में सचिव लायन मोहम्मद निजामुद्दीन एवं कोषाध्यक्ष लायन अमित कुमार की उपस्थिति में संपन्न हुई।सभी लायन सदस्यों की सहमति से ये निर्णय लिया गया कि हजारीमल उच्च विद्यालय में वृक्षारोपण , रक्सौल स्टेशन परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर, सावन महोत्सव साथ ही 15 अगस्त को ध्वजारोहण करना है।लायंस इंटरनेशनल अपने सामाजिक दायित्वों को ध्यान में रखते हुए,समय समय पर ऐसे आयोजन करती रहती है।आज पर्यावरण के असंतुलित व्यवहार को देखते हुए वृक्षारोपण करना बहुत आवश्यक है।भूमंडलीकरण के इस भाग दौड़ वाले दौर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना नितांत आवश्यक है।लायंस क्लब ऑफ रक्सौल इस सामाजिक कर्तव्यता के प्रति कृत संकल्पित है।संयोग से क्लब सदस्य लायन शंभू प्रसाद चौरसिया का जन्मदिन भी था जिसको सभी सदस्यों ने केक कटवा कर उल्लासपूर्ण माहौल में मनाया एवं उन्हें सभी ने शुभकामनाएं दीं।उपस्थित सदस्यों में जोनल चेयरपर्सन लायन शंभू प्रसाद चौरसिया,लायन गणेश धानोठिया,लायन नारायण रुंगटा, लायन साइमन रेक्स,लायन बसंत जालान,लायन संजय गुप्ता,लायन हरीश खत्री,लायन हेमंत अग्रवाल,लायन रमेशजी रौनियार,लायन राजू गुप्ता,लायन अजय हिसारिया,लायन प्रियंका सोनी,लायन पूनम सर्राफ,लायन नूतन चौरसिया,लायन सीमा बरनवाल,लायन नीलम हिसारिया,लायन सरिता खत्री थे।सभी सदस्यों ने लायंस की विचारधारा "WE SERVE" को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।राष्ट्रगान के साथ सभा का समापन हुआ।जिसकी जानकारी लायंस क्लब के अध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी लायन बिमल सर्राफ ने प्रेस से साझा की।

संक्षिप्त समाचार

गढ़पुरा के हरिगिरिधाम में जनसेवा का अद्भुत नज़ारा, कांवरियों की सेवा में जुटे जन सुराज प्रत्याशी शिवचंद्र पासवान

बीएनएम@गढ़पुरा (बेगूसराय) । के हरिगिरिधाम में कांवरियों की सेवा करते दिखे जन सुराज से बखरी विधान सभा उम्मीदवार बखरी प्रखंड प्रमुख शिवचंद्र पासवान बिहार के मिथिलांचल क्षेत्र में मिनी बाबा धाम के नाम से मशहूर गढ़पुरा स्थित हरिगिरिधाम में श्रावणी मास के पावन अवसर पर लाखों श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए पहुंचे इस दिव्य माह में श्रद्धालुओं की सेवा को समर्पित एक विशेष पहल देखने को मिली। बखरी विधानसभा से जनसुराज के उम्मीदवार एवं बखरी प्रखंड प्रमुख शिवचंद्र पासवान ने गढ़पुरा प्रखंड के हरसन पुल के निकट एक सेवा शिविर का आयोजन किया, जिसमें कांवरियों को शीतल जल, चिकित्सा सहायता, विश्राम स्थल एवं अन्य सुविधाएं मुहैया कराई गईं। जन सुराज उमीदवार शिवचंद्र पासवान की इस सेवा भावना ने न सिर्फ कांवरियों को राहत दी, बल्कि जनसहयोग और समर्पण की मिसाल भी पेश की। श्रद्धालुओं ने उनके इस प्रयास की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। श्रद्धा, सेवा और जनसंपर्क का संगम बना गढ़पुरा का हरिगिरिधाम।

जूनियर बालिका हैंडबॉल चैंपियनशिप की विजेता बिहार टीम में शामिल पल्लवी को किया गया सम्मानित

बीएनएम@मोतिहारी। रोटरी क्लब ऑफ मोतिहारी की ओर से 47 वीं जूनियर बालिका नेशनल हैंडबॉल चैंपियनशिप की विजेता रही बिहार टीम में शामिल पल्लवी कुमारी को सम्मानित किया गया। पल्लवी को सम्मान स्वरूप ट्रैक शूट व मोमेंटो मिला। इस अवसर पर इस्ट चंपारण हैंडबॉल एसोसिएशन के पदाधिकारियों की मौजूदगी रही। रोटरी क्लब ऑफ मोतिहारी एवं इस्ट चंपारण हैंडबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष अभिमन्यु कुमार ने कहा कि रोटरी के पदस्थापन समारोह में नेशनल स्कूल गेम्स में स्वर्ण पदक प्राप्त तलवारबाजी खिलाड़ी केशर राज व पल्लवी कुमारी को सम्मानित किया गया है।

खिलाड़ियों को प्रोत्साहन बेहद जरूरी है। ताकि, भविष्य में और वह बेहतर करें। खेलकूद के क्षेत्र में भविष्य संवारने की अपार संभावनाएं हैं। अपनी प्रतिभा को आगे भी दिखाएं और जिला व राज्य का नाम रौशन करें। कहा कि हार जीत तो जीवन के दो पहलू हैं, आप खेल भावना से खेले। जिले में प्रतिभावान खिलाड़ियों की कमी नहीं है। उन्हें प्रोत्साहित कर आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। इस्ट चंपारण हैंडबॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष श्रीबाबू प्रसाद यादव व कोषाध्यक्ष मंकेश्वर कुमार पांडेय ने संयुक्त रूप से कहा कि खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर आगे बढ़ाने के लिए हम सभी लगातार प्रयासरत हैं। खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर आगे बढ़े और जिले के साथ साथ राज्य व राट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाए और पूरे देश में नाम रोशन करें। सम्मानित होने पर एसोसिएशन के संरक्षक विशाल कुमार, अध्यक्ष अभिमन्यु कुमार, उपाध्यक्ष श्रीबाबू प्रसाद यादव, धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, कोषाध्यक्ष मंकेश्वर कुमार पांडेय, सचिव विकास कुमार, संयुक्त सचिव परमेश्वर कुमार, वरीय सदस्य अमित कुमार, कोच मो. राजुल आदि ने शुभकामनाएं दी है।

पुलिस ने विभिन्न मामलों में 77 वारंटों का निष्पादन करते हुए 18 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

वाहन जांच में लगाया 1 लाख 5 हजार रुपए का लगाया जुर्माना

बीएनएम@बगहा : बगहा पुलिस जिला में विधि व्यवस्था के बीच अमन चैन व शांति व्यवस्था कायम रहे जिसको लेकर पुलिस अलर्ट मोड़ में है . वही थानों में पहुंचे विभिन्न मामलों का त्वरित निष्पादन हो जिसको लेकर पुलिस निरंतर पुलिसिंग व्यवस्था के साथ कांडों का अनुसंधान करते हुए कांडों का निस्तारण कर रही है इसी क्रम में विगत दिन बुधवार को पुलिस ने विभिन्न कांडों में 18 अभियुक्तों की गिरफ्तारी विभिन्न थानों की पुलिस ने किया है . इस दौरान पुलिस ने 77 वारंटों का भी निष्पादन किया है . अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस अधीक्षक सुशांत कुमार सरोज के दिशानिर्देश में चलाए गये वाहन जांच अभियान में यातायात समेत विभिन्न थाना की पुलिस ने 1 लाख 5 हजार रुपयों का जुर्माना कुल 494 वाहनों के जांच के उपरांत लगाया गया है . इस दौरान करीब पांच लीटर देशी चुलाई शराब बरामद किया गया है . वही एसपी ने बताया कि गैर सामाजिक गतिविधियों के रोकथाम के लिए जिले में लगातार सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है . इसके साथ ही लंबे समय से फरार चल रहे वारंटियों के गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी की जा रही है . शराब कारोबारी व शराबियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस निरंतर अभियान चला रही है .

संग्रामपुर में युवक की संदिग्ध मौत, पेड़ से लटका मिला शव

बीएनएम@मोतिहारी। जिले के डुमरिया घाट थाना क्षेत्र के पकड़ी डुमरिया गांव में शुक्रवार को एक युवक का शव संदेहास्पद स्थिति में पेड़ से लटका हुआ पाया गया। शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल मोतिहारी भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। घटना राजकीय मध्य विद्यालय पकड़ी डुमरिया के समीप फुलवारी की है, जहां एक पेड़ से युवक का शव फंदे से लटकता मिला। मृत युवक की पहचान दक्षिणी भवानीपुर पंचायत के वार्ड नंबर 12 निवासी जूना महतो के 20 वर्षीय पुत्र मनीष कुमार के रूप में की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि युवक की मौत की परिस्थितियां काफी रहस्यमयी हैं। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। डुमरिया घाट थानाध्यक्ष ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट रूप से खुलासा हो सकेगा। पुलिस मृतक के परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।

तीसरी बार नगर परिषद डीलर संघ के अध्यक्ष बने विमलेंदु सिंह उर्फ मुन्ना सिंह, शैलेश प्रसाद बने सचिन

बीएनएम@बगहा : रविवार को साहू धर्मशाला में नगर परिषद डीलर संघ का बैठक नवनिर्वाचित नगर परिषद डीलर संघ अध्यक्ष विमलेंदु सिंह उर्फ मुन्ना सिंह की अध्यक्षता में हुआ। इस बैठक में नगर परिषद के सभी डीलर ने मुन्ना सिंह और शैलेश प्रसाद को फूल माला पहना कर जोरदार स्वागत किया। विमलेंद्र सिंह उर्फ मुन्ना सिंह को प्रदेश महामंत्री वरुण सिंह ने नगर परिषद डीलर संघ के अध्यक्ष के रूप में तथा सचिव पद पर शैलेश प्रसाद का मनोनयन पत्र जारी किया। इसको लेकर डीलर में काफी खुशी है। विमलेंदु सिंह उर्फ मुन्ना सिंह ने कोषाध्यक्ष के रूप में दुर्गा शंकर तिवारी को प्रवक्ता संजय प्रसाद को एवं मीडिया प्रभारी नीलम देवी को बनाया गया।

अरेराज में मतदाता सूची पुनरीक्षण पर राजनीतिक दलों संग महत्वपूर्ण बैठक

बीएनएम@अरेराज/मोतिहारी

जिले के अरेराज अनुमंडल कार्यालय में शुक्रवार को 13-हरसिद्धि एवं 14-गोविन्दगंज विधानसभा क्षेत्रों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी श्री अरुण कुमार ने की। इसमें दोनों विधानसभा क्षेत्रों के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ संबंधित प्रखंडों के बीडीओ और अवर निर्वाचन पदाधिकारी अरेराज भी उपस्थित थे। बैठक का मुख्य उद्देश्य पुनरीक्षण कार्य की अद्यतन प्रगति की समीक्षा करना और राजनीतिक दलों के सहयोग से अधिक से अधिक योग्य मतदाताओं को गणना प्रपत्र (एन्युमरेशन फॉर्म) भरवाने हेतु प्रेरित करना था। अधिकारियों ने बताया कि गणना कार्य को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के लिए प्रत्येक बीएलओ द्वारा प्रीप्रिंटेड फॉर्म वितरित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर दोनों विधानसभा क्षेत्रों के एएसडी (Absent, Shifted, Dead) मतदाताओं की सूची भी राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराई गई, ताकि वे अपने स्तर से जांच-पड़ताल कर मतदाता सूची के शुद्धीकरण में सहयोग कर सकें। बीएलओ द्वारा चिह्नित एएसडी मतदाताओं के संबंध में राजनीतिक दलों से प्रतिक्रिया भी मांगी गई है। अधिकारियों ने राजनीतिक दलों से अपील की कि वे अपने बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) को सक्रिय करें, ताकि छूटे हुए मतदाताओं के फॉर्म आवश्यक दस्तावेजों के साथ बीएलओ को जल्द से जल्द जमा कराए जा सकें। बैठक में मतदान केंद्रों के युक्तिकरण (रेशनलाइजेशन) और ईवीएम डेमोंस्ट्रेशन सेंटर की स्थापना से जुड़ी जानकारियां भी साझा की गईं। बताया गया कि ईवीएम-वीवीपैट डेमो सेंटर आम मतदाताओं को जागरूक करने में सहायक सिद्ध होंगे। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। उपस्थित राजनीतिक दलों ने निर्वाचन कार्यालय को हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

शिक्षिका से मारपीट व दुर्व्यवहार मामले में पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

- **आरोपी ने दी जान से मारने की धमकी, डायल-112 पर शिकायत के बाद मौके पर पहुंची पुलिस**

बीएनएम@तुरकौलिया

थाना क्षेत्र अंतर्गत कलवारी टोला में एक महिला शिक्षिका के साथ मारपीट और छेड़खानी का मामला सामने आया है। पीड़ित शिक्षिका लक्ष्मी कुमारी, जो शंकर सरैया कलवारी टोला निवासी राजकुमार गुप्ता की पत्नी हैं, ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायत के अनुसार, लक्ष्मी कुमारी वर्तमान में बलुआ कुशवाहा नगर में रहती हैं और प्रतिदिन वहीं से कलवारी टोला हाई स्कूल में पढ़ाने आती हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि स्कूल जाने के मार्ग में एक अवैध ब्रेकर बना हुआ है, जो अत्यंत खतरनाक है। सोमवार को वे जब अपनी स्कूटी से स्कूल जा रही थीं, तो उस ब्रेकर पर चढ़ते समय उनकी स्कूटी असंतुलित होकर गिर गई, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं।

घटना के तुरंत बाद गांव का ही द्वारिका प्रसाद मौके पर पहुंचा और व्यंग्य कसते हुए शिक्षिका के साथ मारपीट करने लगा। यही नहीं, उसने हाथ में मौजूद छड़ा (लोहे की छड़) से धमकी देते हुए जान से मारने की कोशिश की। घबराई हुई शिक्षिका ने डायल-112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी, जिसके दस मिनट के भीतर पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें सुरक्षित निकाला। लक्ष्मी कुमारी ने यह भी बताया कि वह जब भी ब्रेकर के पास अपनी बाइक धीमी करती हैं, तो द्वारिका प्रसाद उनके ऊपर आपत्तिजनक टिप्पणियाँ करता रहता है, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान रहती हैं। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर ली गई है और उसके खिलाफ अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

गोविंदगंज से कृष्णा कांत मिश्रा की दावेदारी मजबूत, जन सुराज के सभी दिग्गजों ने एक स्वर में दिया समर्थन

बीएनएम@मलाही

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण के गोविंदगंज विधानसभा क्षेत्र में आगामी चुनावों को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज़ हो गई हैं। जन सुराज अभियान के तहत एक नाम तेजी से उभर कर सामने आ रहा है — कृष्णा कांत मिश्रा। क्षेत्र के जनमानस में लोकप्रियता, पूर्व राजनीतिक अनुभव और सामाजिक जुड़ाव को देखते हुए मिश्रा की दावेदारी लगातार मज़बूत होती जा रही है।

सबसे अहम बात यह है कि मिश्रा के समर्थन में जन सुराज से जुड़े लगभग सभी प्रमुख नेता और कार्यकर्ता एकजुट हो गए हैं। मिथलेश मिश्रा, वरुण मिश्रा, विकास मिश्रा, असलम हुसैन, रामबाबू मिश्रा, विशाल आर्या, दीपक तिवारी, रंजीत उपाध्याय, कंचन देवी, साबिर आलम, दीपक सहनी, रवि पांडेय और मनोज उपाध्याय जैसे प्रभावशाली नामों ने एक स्वर में कृष्णा कांत मिश्रा को उम्मीदवार बनाए जाने की मांग की है। इन सभी का कहना है कि अगर जन सुराज को गोविंदगंज में मज़बूत और भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभारना है, तो कृष्णा कांत मिश्रा से बेहतर कोई चेहरा नहीं हो सकता।

कृष्णा कांत मिश्रा लंबे समय से सामाजिक और राजनीतिक रूप से सक्रिय रहे हैं। वे ज़मीन से जुड़े नेता माने जाते हैं, जो आम लोगों की समस्याओं को समझते हैं और उनके समाधान के लिए लगातार सक्रिय रहते हैं। उनके पूर्व राजनीतिक अनुभव और जनहित में किए गए कार्यों ने उन्हें आम जनता के बीच एक सकारात्मक छवि दिलाई है।

जन सुराज के दायरे में कार्य कर रहे कार्यकर्ताओं का कहना है कि गोविंदगंज की जनता अब बदलाव चाहती है। पिछले कई वर्षों से क्षेत्र में विकास की गति धीमी रही है।

शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दे आज भी उपेक्षित हैं। जनता अब ऐसे नेता को चुनना चाहती है जो उनके बीच से हो, जिसे वे जानें, और जो केवल चुनाव के समय नहीं, बल्कि हर वक्त उनके साथ खड़ा हो।

मिश्रा को मिल रहा जनसमर्थन अब एक आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। गांव-गांव, टोला-मुहल्ला में लोग खुलकर उनकी चर्चा कर रहे हैं। युवा वर्ग खास तौर पर उनके साथ मजबूती से खड़ा दिख रहा है। जन सुराज के दिग्गज नेताओं की एकता और जनता का झुकाव स्पष्ट रूप से संकेत दे रहा है कि कृष्णा कांत मिश्रा की उम्मीदवारी अब केवल एक मांग नहीं, बल्कि एक जन-आवाज बन चुकी है।

अगर पार्टी ने जनभावना का सम्मान करते हुए कृष्णा कांत मिश्रा को प्रत्याशी घोषित किया, तो यह न सिर्फ जन सुराज के लिए फायदेमंद होगा, बल्कि गोविंदगंज की राजनीति में भी एक नई और सकारात्मक दिशा की शुरुआत मानी जाएगी।

सावन सोमवारी पर सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने रेत से बनाए 108 शिवलिंग, रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर दिया विश्व शांति का संदेश

बीएनएम@ घोड़ासहन

- **20 फीट ऊंची भगवान शिव की प्रतिमा, 'स्टॉप वॉर' संदेश के साथ मांगी महादेव से दुनियाभर में अमन-चैन की मन्नत**

सावन सोमवारी के अवसर पर सजे शिवभक्ति के अद्भुत दृश्य ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। देश-विदेश में चर्चित अंतर्राष्ट्रीय रेत कलाकार मधुरेंद्र कुमार ने गंगा की रेत से भगवान शिव की 20 फीट ऊंची प्रतिमा और 108 शिवलिंगों का निर्माण किया। अपनी इस कलाकारी के जरिए उन्होंने विश्व शांति (World Peace) का संदेश दिया और "स्टॉप वॉर (Stop War)" लिखकर रूस-यूक्रेन संघर्ष पर गहरी चिंता जताई।

विश्व शांति की अपीलः सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने कहा, "मैंने 24 घंटे की मेहनत से यह आकृति बनाकर भगवान शिव से प्रार्थना की है कि रूस और यूक्रेन के बीच चल रही युद्ध समाप्त हो, और दुनिया में अमन कायम हो।"

108 शिवलिंगों से सजी आस्था की कलाः लगभग 50 टन गंगा की रेत से मधुरेंद्र ने 108 शिवलिंगों का निर्माण किया, जिन्हें विभिन्न रंगों से सजाया गया है। इस अनूठी कला को देखने के लिए श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने मोबाइल फोन से फोटो, वीडियो और सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर जमकर साझा किया, जिससे यह कलाकृति कुछ ही घंटों में वायरल हो गई।

भोलेनाथ से विशेष प्रार्थनाः सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने विशेष रूप से उन लाखों मासूम लोगों की आत्मा की शांति के लिए भी प्रार्थना की है जिन्होंने युद्ध में अपने प्राण गंवाए।

सावन की सोमवारी और शिवभक्तिः सावन का यह महीना भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है, और सावन की सोमवारी पर की गई सच्चे मन की प्रार्थना अवश्य स्वीकार होती है। मान्यता है कि इस दिन शिवभक्त बेलपत्र, धतूरा, फूल और दूध अर्पित कर भोलेनाथ को प्रसन्न करते हैं। बिहार के सभी शिवालयों में भक्तों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई है।

खगनी नदी किनारे से 10 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद, तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम@तुरकौलिया

पुलिस ने सोमवार को गुप्त सूचना के आधार पर खगनी कुण्डा नदी के किनारे छापेमारी कर 10 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की है। इस दौरान एक शराब तस्कर को भी रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान सोनालाल सहनी, पिता सकलदेव सहनी, गांव झखिया, थाना बंजरिया निवासी के रूप में हुई है। कार्रवाई के संबंध में एएसआई कन्हैया लाल ने स्वयं के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कराई है।

थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि झखिया की ओर से एक व्यक्ति खगनी नदी किनारे शराब की खरीद-बिक्री के लिए आने वाला है। सूचना के सत्यापन के लिए त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस बल को देखते ही एक व्यक्ति उजले रंग का थैला हाथ में लिए भागने लगा, जिसे बल का प्रयोग कर दौड़ाकर पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 10 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद की गई। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

अरेराज के 19वें डीएसपी बने रवि कुमार, पदभार ग्रहण कर शुरू की क्षेत्रीय गतिविधियों की समीक्षा

बीएनएम@मोतिहारी

अरेराज अनुमंडल को सोमवार को नए पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) रवि कुमार के रूप में एक नई प्रशासनिक जिम्मेदारी मिली। उन्होंने अनुमंडल पुलिस कार्यालय में विधिवत पदभार ग्रहण किया। इसके साथ ही वह अरेराज के 19वें डीएसपी बने। पदभार ग्रहण करने के उपरांत डीएसपी रवि कुमार ने सर्किल इंस्पेक्टर के साथ बैठक की और अनुमंडल क्षेत्र की भौगोलिक, सामाजिक व आपराधिक स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखना, अपराध नियंत्रण और सामाजिक सौहार्द बनाए रखना उनकी प्राथमिकता होगी। नवनियुक्त डीएसपी ने कहा कि वे जनता से सीधे संवाद कायम करते हुए पुलिसिंग को और बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे। साथ ही स्थानीय थाना प्रभारियों से भी क्षेत्र की संवेदनशील जगहों, लंबित मामलों और प्रमुख चुनौतियों पर जानकारी ली जाएगी। उनके आगमन पर पुलिसकर्मियों ने स्वागत किया और सहयोग का आश्वासन दिया।

रक्सौल के प्राथमिक विद्यालयों में दर्जनों प्रधान शिक्षकों ने संभाला पदभार, शिक्षा व्यवस्था को मिलेगी मजबूती

बीएनएम@रक्सौल

रक्सौल अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न राजकीय प्राथमिक एवं नवसृजित विद्यालयों में सोमवार से दर्जनों नव नियुक्त प्रधान शिक्षकों ने अपना पदभार संभालना शुरू कर दिया है। यह नियुक्ति बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) के माध्यम से 36,000 प्रधान शिक्षकों की राज्यव्यापी बहाली प्रक्रिया के तहत हुई है। शिक्षा विभाग द्वारा जारी पत्र के आलोक में 21 जुलाई से 26 जुलाई तक प्रधान शिक्षकों को पदभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

पहले दिन रामरति प्राथमिक विद्यालय रक्सौल में बृजकिशोर प्रसाद ने प्रभारी शिक्षक संजय कुमार सिंह से विधिवत प्रभार लिया। वहीं जवाहरलाल प्रसाद ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय उर्दू परेऊवा, मदन प्रसाद यादव ने अहिरवा टोला विद्यालय, शिवेश मिश्रा ने हिंदी परेऊवा विद्यालय, और कृष्ण कुमार सिंह ने कचोरवा परसवा प्राथमिक विद्यालय में प्रधान शिक्षक का पदभार ग्रहण किया। इस दौरान विद्यालयों में नव नियुक्त शिक्षकों के योगदान की होड़ देखने को मिली। अधिकतर विद्यालयों में लंबे समय से प्रभारी के रूप में काम कर रहे शिक्षकों से कार्यभार लेकर अब पूर्णकालिक प्रधान शिक्षक विद्यालयों की कमान संभाल रहे हैं। यह स्थिति प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था को स्थायित्व प्रदान करेगी और प्रशासनिक व शैक्षणिक कार्यों में सुधार की उम्मीद भी जगी है। बीईओ बृजेश कुशवाहा ने बताया कि "प्रधान शिक्षकों की नियुक्ति से निश्चित रूप से प्रारंभिक शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण बदलाव की संभावना बढ़ी है। नव नियुक्त शिक्षक गतिविधि आधारित नवाचार, वैज्ञानिक शिक्षण पद्धति और प्रेरणादायी वातावरण के साथ बच्चों को बेहतर शिक्षा देने की दिशा में कार्य करेंगे।" हालांकि तकनीकी कारणों से कुछ विद्यालयों में अभी प्रधान शिक्षकों का पदभार लंबित है, लेकिन 26 जुलाई तक अधिकतर विद्यालयों में यह प्रक्रिया पूरी हो जाने की उम्मीद है।

अरेराजः सावन की दूसरी सोमवारी पर 10 दंडाधिकारी ड्यूटी से नदारद, प्रशासन सख्त

बीएनएम@अरेराज

सावन मास की दूसरी सोमवारी पर अरेराज स्थित सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, लेकिन व्यवस्था संभालने के लिए नियुक्त 10 दंडाधिकारी अपनी ड्यूटी से नदारद मिले। अनुमंडल प्रशासन की सख्ती के बावजूद दंडाधिकारियों पर इसका कोई असर नहीं दिख रहा है, जिससे मेले की व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण में बाधा आई। प्रथम पाली में हुई जांच के दौरान ड्यूटी से गायब मिले इन दंडाधिकारियों पर अनुमंडल प्रशासन कड़ी कार्रवाई करने में जुट गया है। यह पहली घटना नहीं है; इससे पहले भी एक दर्जन दंडाधिकारी अनुपस्थित पाए गए थे, जिस पर अरेराज एसडीओ अरुण कुमार ने स्पष्टीकरण मांगा है। इस ताजा मामले के सामने आने के बाद ड्यूटी से फरार रहने वाले मजिस्ट्रेटों में हड़कंप मच गया है। अनुमंडल प्रशासन का कहना है कि वे इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। इस तरह की लापरवाही से श्रद्धालुओं को होने वाली असुविधा और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को देखते हुए प्रशासन ने अपनी निगरानी और बढ़ा दी है।

परसौनी कृषि विज्ञान केंद्र में पशु पालन का 5 दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न, मिले प्रमाण पत्र

बीएनएम@मोतिहारी

कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) परसौनी में पशु पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। प्रशिक्षण में शामिल पशुपालकों को इस दौरान प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पशुपालकों को आधुनिक और वैज्ञानिक तरीके से पशु पालन की जानकारी देने के लिए तैयार किया गया था, ताकि वे अपनी आय बढ़ा सकें और दुग्ध उत्पादन को बेहतर बना सकें।

प्रशिक्षण के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के हेड डॉ. अभय कुमार सिंह, डॉ. उदय राम गुर्जर, डॉ. आशीष राय, रूपेश कुमार और चुन्नू कुमार और संतोष कुमार ने प्रतिभागियों को विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर युवा समाजसेवी मनीष राज उपस्थित रहे और रानी कुमारी, सिकंदर कुमार आदि किसान मौजद रहे। सभी ने मिलकर प्रतिभागियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने पर बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रशिक्षण में शामिल किसानों ने बताया कि उन्हें गायों के स्वास्थ्य, पोषण, प्रजनन और दुग्ध प्रबंधन के बारे में कई नई और उपयोगी बातें सीखने को मिली हैं, जो उन्हें अपने पशुधन को बेहतर तरीके से प्रबंधित करने में मदद करेंगी।

इंडिया गठबंधन को तवज्जो नहीं

बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर इंडिया गठबंधन के विरोध को उच्चतम न्यायालय ने खास तवज्जो नहीं दी है, लेकिन कहा जा सकता है कि निर्वाचन आयोग के भी कान उमेठ दिए गए हैं। न्यायालय ने आयोग को इस प्रक्रिया को पूर्ण करने से तो नहीं रोका लेकिन कहा कि किसी मतदाता की नागरिकता की जांच करना आयोग का नहीं अपितु गृह मंत्रालय का काम है। आयोग को इस प्रक्रिया में आधार, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड को वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार करने पर विचार करना चाहिए। पुनरीक्षण के समय पर भी न्यायालय ने सवाल उठाया। राज्य में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। उससे ठीक पहले पुनरीक्षण की जरूरत क्या थी। हालांकि एसआईआर को संवैधानिक दायित्व मानते हुए न्यायालय ने आयोग को एसआईआर जारी रखने की अनुमति दी है। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मतदान के अधिकार को महत्त्वपूर्ण अधिकार करार देते हुए कहा, हम किसी संवैधानिक संस्था को वह करने से नहीं रोक सकते जो उसका कर्त्तव्य है। पीठ ने एसआईआर का विरोध कर रहे पक्ष की सुनवाई की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए इस अभियान को चुनौती देने वाली 10 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 28 जुलाई की तारीख तय की है और आयोग से एक सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा है। आयोग के इस कथन को पीठ ने रिकॉर्ड में लिया कि एसआईआर के लिए जिन 11 दस्तावेज पर विचार करना था, उनकी सूची संपूर्ण नहीं थी और आदेश दिया कि निर्वाचन आयोग आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड जैसे तीन दस्तावेज पर भी विचार करे। निर्वाचन आयोग के वकीलों के एतराज पर पीठ ने इसे अनिवार्य नहीं बताया लेकिन खारिज करने का ठोस कारण भी पूछा। पीठ ने एसआईआर को रोका नहीं क्योंकि 10 याचिकाकर्ताओं में किसी ने भी इसका अनुरोध नहीं किया था। हालांकि निर्वाचन आयोग संवैधानिक दायित्व के तहत ही पुनरीक्षण का काम कर रहा है, लेकिन जो 11 दस्तावेज मांगे जा रहे हैं, वे सब लोगों के पास हों यह संभव ही नहीं है।

भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा करना ही हमारा कर्तव्य

संजय गोस्वामी

भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है क्योंकि इस धरती पर भगवान राम के चरण पड़े और सीता माता की रक्षा के लिए रावण जैसे विशाल सेना क्रो हराया और रावण के अहंकार क्रो भी भगवान राम ने चूर चूर कर दिया भगवान श्री राम के भक्त हनुमान जी और तुलसीदास जी थे एक बार अकबर ने राम के नाम का प्रचार प्रसार क्रो देखकर इतना गुस्सा हो गया कि तुलसीदास क्रो महल में बुलाया और सर ना झुकाने पर उसे बंदी बना लिया तब हनुमान जी की बानर सेना ने धावा बोल दिया और महल में उत्पाद मचाने लगे तब अकबर क्रो समझ आया कि तुलसीदास के पास भगवान राम साथ रहते हैं और छोड़ दिया इतिहास में दर्ज है अकबर की क्रूरता सभी हिन्दू राजा क्रो दास बनाना एक बार राणा प्रताप तुलसीदास से मिले और राम भक्त बन गए और वही अकबर ने उसे अपनी दसिता मेवाड़ के राजा के रूप में उसके साथ ना मिलने पर हल्दीघाटी का युद्ध हुआ अतः अकबर ने मेवाड़ के राजा राणा प्रताप क्रो बहुत कोशिश की उनकी दासता क्रो स्वीकार करें और राजपूत मुगलों से एक रिश्ता बन सके लेकिन वो इसी सिलसिले में राणा प्रताप तुलसीदासजी के पास जाते हैं और अपनी व्यथा सुनाते हैं और राजा मान सिंह का दबाब बताते हैं तभी तुलसीदास जी ने भगवान राम का साक्षात दर्शन कराया और कहा भगवान राम हर समय तुम्हे रक्षा करेंगे और तुम्हारी बहादुरी क्रो भारत के इतिहास में अमर रहेगा और उसके बाद अकबर से किसी भी प्रकार के संधि से मना कर युद्ध करने क्रो तैयार हो गए और उनके सामने थे राजा मान सिंह और मुगलों की विशाल सेना जिसे हल्दीघाटी के युद्ध से भी जाना जाता है दरअसल राजा मान सिंह, जिन्हें मिर्ज़ा राजा के नाम से जाना जाता था, अकबर के एक वरदहस्त साथी थे, और उस मंडली के सदस्य थे जिसे बादशाह नौरत्न या नौ रत्न कहते थे। वे 1562 में अकबर के दरबार में शामिल हुए, जोधाबाई अकबर की पत्नी मरियम-उज़-ज़मानी का एक लोकप्रिय नाम है। मान सिंह उनके भतीजे थे। वे उनके भाई, राजा भगवंत दास के पुत्र थे। हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप ने जिस बहादुरी से लड़ा वो इतिहास के पन्नों में दर्ज हैं उन्होंने सीधा मान सिंह जो हाथी पर सवार थे उनका घोड़ा चेतक ने हाथी पर चढ़ना चाहा और घायल हो गया अतः उनके साथियों ने सलाह दि की आप यहाँ से दूर जाकर चेतक की रक्षा करें युद्ध के दौरान, चेतक घायल हो गया था, लेकिन फिर भी वह महाराणा प्रताप को युद्ध के मैदान से दूर ले गया। चेतक ने एक 22 फुट चौड़ा नाला भी पार किया, जिसे मुगल सेना पार नहीं कर पाई थी चेतक की वीरता और वफादारी के कारण, उसे आज भी याद किया जाता है। युद्ध के बाद, चेतक की मृत्यु हो गई और उसकी याद में एक स्मारक बनाया गया, जिसे चेतक समाधि के नाम से जाना जाता है। हल्दीघाटी युद्ध का भले ही क्रोई परिणाम नहीं निकला क्योंकि वहाँ महाराणा प्रताप क्रो पकड़ा नहीं गया और उनके बदले किसी और ने महराणा प्रताप का मुकुट पहना था और वो शहीद हो गया लेकिन इतिहास लिखने वाले कैसे अकबर क्रो महान मानते हैं लगता है उन्हें हल्दीघाटी युद्ध की जानकारी नहीं होगी और महाराणा प्रताप के बारे में समझा नहीं होगा और फ़िल्म कार भी कैसे अकबर जो क्रूर था उसक्रो महान बनाने में फ़िल्म भी बना दि क्रोई अकबर दि ग्रेट बनाया क्रोई जोधाबाई इससे आपको नहीं लगता देश के सच्चे नायक महराणा प्रताप जो भारत क्रो अकेले ही मुगलों से लोहा लिया और उस समय उसका नेतृत्व अकबर ने ही किया था दरअसल अकबर बहुत चालक था जो भगवान राम की धरती पर पूर्ण मुग़ल समाराज्य की स्थापना ब्रेन वास कर करना चाहता था इसलिए हिन्दू क्रो भ्रमित करने के लिए राजा मान सिंह से मंदिर भी बनवाएं और इस तरह धन का लालच देकर सबको अपना गुलाम बना लिया इससे भारत क्रो केवल अपने पाठ्यक्रम में बदलाव नहीं भारत क्रो राम का कर्मभूमि समझ कर देशहित में निर्णय लेना चाहिए आज अमेरिका क्यों कूद रहा भारत के आंतरिक मामलों पर चीन के साथ हाथ क्यों मिला रहें हैं यह 140 करोड़ भारतीय का लोकतान्त्रिक देश है जो मर सकता है मिट जाएगा लेकिन किसी के सामने कभी नहीं झुकेगा आखिर क्या सीखा भगवान राम से हथियार डाल दे याद कीजियेगा भारत के रक्षक गुरू गोविन्द सिंह की चमकौर युद्ध की जिस मुगलों ने आनंदपुर साहिब क्रो पुरी तरह से घेर रखा था और रसद पानी सब बन्द कर दिए गए उसके बाद जब 40 सिख ने विरोध किया तो गुरुगोविन्द सिंह ने कहा क्या मैं खुद के लिए लड़ रहा हूँ तब सभी 40 सिखों ने वजीर खान की दस लाख सेना से लड़े और गुरूजी ने 5-5 की तादाद में भेजना चालू किया और अंत में विजय हुए हालांकि उसमें सारे शहीद जरूर हुए लेकिन गुरूजी पंच प्यारे के कहने पर वहाँ से दूर जरूर गए लेकिन उनकी वीरता और भारत के आत्मसम्मान क्रो कभी झुकने नहीं दिया भाषण देने मंदिर बनाने से ज्यादा जरुरी है भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा करना भारतीय सेना के बहादुरी क्रो सलाम करना भारत में किसी चीज की कमी नहीं है हमें रोटी कपड़ा और मकान की जरुरत से ज्यादा भगवान राम ने दि है इसे किसी के आगे झुकने नहीं दो चाहे देश के लिए मर मिटो नहीं चाहिए टेस्ला कार और भौतिक सुखों का अम्बार टेस्ला कार मुंबई में अचानक नहीं आई होगी पहले से प्लांनिंग होगी अब इससे भ्रस्टाचार और बढ़ेंगे कार क्रो पाने के लिए आखिर कौन लेगा जिसके पास पैसा होगा और पैसा अमीरों के पास होगा जो गरीबों से ही बसूला जायेगा अतः भारत में अब भाषण नहीं भगवान राम के आदर्शो से सिखने की जरुरत है जो स्थूल शरीर भारत माता के स्वाभिमान के लिए मिट सकता है लेकिन मर नहीं सकता क्योंकि आत्मा अमर होती है और देश से बढ़कर कुछ नहीं है जिसे भारत माता के वीर सपूत महाराज शिवाजी, महाराणा प्रताप, गुरू गोविन्द सिंह और संभाजी से प्रेरणा लें उन्होंने अपने बारे में कभी नहीं देश के बारे में सोचा।अभी जो चर्चा का विषय बना है मुग़ल सम्राट अकबर का एन सी आर टी के पाठ्यक्रम में बदलाव जिसमें पहले अकबर क्रो इतिहास की पाठ्यपुस्तकों में एक अच्छा मुग़ल शासक बताया गया बदलाव ठीक है लेकिन अमल करना चाहिए भारत माता क्रो माँ समझ कर उसके स्वाभिमान की रक्षा करना हर भारतीय का दायित्व है अमेरिका के राष्ट्रपति जिस तरह भारत के आंतरिक मामलों में दखल दे रहें है वो बिलकुल गलत है युद्ध होता है तो दोनों तरफ से बमबारी खून खराबी होती है लेकिन जरुरी ऐ होता हैं हमने अपना लक्ष्य हासिल की या नहीं अब ऑपरेशन सिंदूर में 5फायटर जेट गिरे या क्या हुआ ऐ भारतीय सेना के गर्व की बात है जिसे सेना के सीडीएस प्रमुख ने खुद मीडिया के सामने बयान दिया सेना के उप प्रमुख ने तो यहाँ तक कह दिया की हम युद्ध पाकिस्तान के साथ साथ तीन फ्रंट पर लड़ रहें थे जिसमें चीन औऱ तुर्की भी शामिल था अतः वो अब मज़ाक के पात्र बन गए है ऐ कहना चाहिए भारतीय सेना ने जान की बाजी लगाकर भारत की रक्षा की हमें सेना की बहादुरी क्रो सलाम करना चाहिए। रोग होने पर रोग की चिन्ता करना उसे द्विगुणित कर देता है। रोग का उपाय अवश्य करना चाहिए, किंतु रोग का चिन्तन एवं उसकी बार-बार चर्चा करना और रोग से भयभीत होकर जीवन को सड़ा देना मूर्खता ही है। रोग के मूड में रहने से रोग बढ़ता ही है। होम्योपैथी, एलोपैथी आदि से बढ़कर लाभकारी एपेथी (रोग की परवाह न करना है) है। राम कृपा नासहिं सब रोगा।यदि श्रीराम जी की कृपा से इस प्रकार का संयोग बन जाए तो ये सब रोग नष्ट हो जाएँ। सद्गुरु रूपी वैद्य के वचन में विश्वास हो। विषयों की आशा न करे, यही संयम (परहेज) है। कुछ लोग नाजुक-मिजाजी में रोग बना रहना चाहते हैं। यह उनके लिए एक शान की बात होती है। ऐसे लोगों से सदा बचते रहें। उनके सम्पर्क से काल्पनिक रोग लगते हैं। मेरे एक पूर्वज इसी रोग से मर गये थे-ऐसा तर्क मूर्खतापूर्ण होता है। अमुक व्यक्ति जैसे रोग के लक्षण कहीं मुझमें तो नहीं है, कहीं मुझमें भी वह रोग तो नहीं आने लगा है, इस प्रकार अपने को दूसरे रोगियों के समान रोगी समझने लगना अथवा रोग के लक्षणों की मिथ्या कल्पना करना भयंकर भूल है। यदि आप चिकित्सक नहीं है तो व्यर्थ ही रोगों की सविस्तार जानकारी करने का प्रयत्न न करें, क्योंकि रोगों की जानकारी करते हुए आप अपने भीतर भी रोगों की मिथ्या कल्पना कर सकते हैं। ऐसे चिकित्सक को दूर रखें जो रोग को भयंकर कहकर उसे असाध्य बना देता है। आप बहुत सोचते हैं, मन में ताना-बाना बुनते रहते हैं, आपको भारी हृदय-रोग हैं, आपकी चिकित्सा करना कठिन है- इत्यादि बातें अविवेकी चिकित्सक कहते हैं। किसी रोगी से अपनी तुलना न करें, स्वस्थ व्यक्तियों से प्रेरणा लें। प्रत्येक व्यक्ति की स्थिति अलग-अलग होती है। आशा और विश्वास रखने से तथा प्रबल इच्छा-शक्ति से भयंकर रोग भी ठीक हो जाते हैं। अतः ऋणात्मक चिन्तन करना सर्वथा त्याज्य है। अपने स्वस्थ हो जाने में तथा स्वस्थ रहने में अनन्त और अखंड विश्वास रखें। जीवन के प्रति आस्था, उत्साह और विश्वास मनुष्य को सदा तरुण बनाये रखते हैं। अपच और अनिद्रा चिन्ता के कारण उत्पन्न होते हैं तथा चिंता से ये उग्र रूप धारण कर लेते हैं। अनिद्रा में जप करने के लिए बैठ जाएं। बैठकर केवल तटस्थ चिन्तन (अपने विचारों के साथ सहयोग न करते हुए, उन्हें देखते रहना) करने लगना भी मन को शान्त कर देता है। आखिर, मन के विचार तो आपके ही हैं।

ब्रह्मपुत्र पर बांध से भारत-चीन के बीच बढ़ेगी दरार!

डॉ. अनिल कुमार निगम

भारत और बांग्लादेश के विरोध के बावजूद साम्राज्यवादी ड्रैगन (चीन) ने ब्रह्मपुत्र नदी पर विश्व का सबसे बड़ा बांध बनाने का काम शुरू कर दिया है। तिब्बत के मेडोग जिले में बांध निर्माण की चीन की यह कुटिल चाल भारत पर कूटनीतिक दबाव बनाने के लिए सोची समझी रणनीति है। इसका प्रतिकूल प्रभाव भारत-चीन के द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ना तय है। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने दावा है कि इसके निर्माण से हर साल 300 अरब किलोवाट बिजली का उत्पादन होगा। लेकिन इस बांध निर्माण के पीछे चीन के क्या निहितार्थ हैं? इससे भारत का क्या नुकसान हो सकता है और चीन किस तरीके से इसका इस्तेमाल भारत के खिलाफ हथियार की तरह कर सकता है? अगर इसके चलते भारत की समस्या बढ़ती है तो इसका क्या समाधान हो सकता ? ऐसे तमाम पहलुओं और प्रश्नों का विश्लेषण चौंकाने वाला है। चीन के ब्रह्मपुत्र नदी में बांध बनाने के निर्णय से भारत और चीन के बीच लंबे समय से चले आ रहे भौगोलिक, रणनीतिक और जल संसाधनों को लेकर विवाद अब एक नई दिशा में बढ़ गया है। यह भारत के लिए एक रणनीतिक, पर्यावरणीय और जल-सुरक्षा के लिहाज से गंभीर चिंता का विषय बन चुका है। ब्रह्मपुत्र नदी एशिया की प्रमुख नदियों में से एक है, जो तिब्बत से निकलकर भारत के अरुणाचल प्रदेश, असम होते हुए बांग्लादेश तक जाती है। यह नदी भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के लिए जीवनदायिनी है। भारत में ब्रह्मपुत्र की कुल लंबाई लगभग 916 किलोमीटर है। फिलहाल कुल जल प्रवाह का 30 प्रतिशत हिस्सा भारत को प्राप्त होता है। असम राज्य की 60 प्रतिशत कृषि भूमि ब्रह्मपुत्र पर निर्भर है। मानसून के दौरान इस नदी के कारण असम में भारी बाढ़ की समस्या सामने आ जाती है। इस परियोजना का स्थान तिब्बत का मेडोग जिला है, जो भारत की सीमा से सटा हुआ है। बताया जाता है कि इस परियोजना की संभावित उत्पादन क्षमता 60 गीगावॉट है। यह विश्व की अब तक की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना होगी। इसकी अनुमानित लागत 50 अरब डॉलर है। यह वर्ष 2035 तक बनकर तैयार होगा। भारत की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि अगर यह परियोजना चालू हो जाती है तो भारत के असम और अरुणाचल प्रदेश में जल प्रवाह कम हो सकता है। इसका सीधा असर इन राज्यों में होने वाली खेती, मछली पालन और पेय जल पर पड़ेगा। भारत की चिंता का दूसरा प्रमुख कारण है कि चूंकि चीन की भौगोलिक सीमा भारत से जुड़ी हुई है, इसलिए वह इसका इस्तेमाल कभी भी भारत के खिलाफ रणनीतिक हथियार की तरह कर सकता है। अगर वह भारत पर दबाव बनाना चाहता है तो वह भारत को बिना सूचना दिए डैम से जल छोड़ देगा तो भारत के पूर्वोत्तर में भारी बाढ़ आ सकती है। जनसंख्या विस्थापन और जीवन स्तर पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ऐसा माना जा रहा है कि चीन, ब्रह्मपुत्र पर बनने वाले बांध और जल प्रवाह पर पारदर्शिता नहीं रखेगा। ऐसे में भारत के पास कोई पूर्व सूचना तंत्र नहीं है जिससे इस संबंध में उसको अधिक जानकारी मिल सके। ब्रह्मपुत्र का जल स्तर कम होने से नदी पारिस्थितिकी पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। इसके अलावा असम और अरुणाचल में कृषि,

मत्स्य पालन और बाढ़ प्रबंधन पर भारत को अधिक धन व्यय करना पड़ेगा। ध्यातव्य है भारत और चीन के रिश्ते पहले से ही काफी तनावपूर्ण हैं। वर्ष 2020 में गलवान घाटी की झड़प के बाद दोनों देशों में विश्वास की कमी बनी हुई है। ब्रह्मपुत्र बांध का मुद्दा इस तनाव को और अधिक बढ़ा सकता है। हालांकि भारत ने इस विषय को कई बार द्विपक्षीय वार्ताओं में उठाया है, लेकिन चीन की एकतरफा कार्रवाई भारत के लिए अपमानजनक है। ऐसी प्रतिकूल परिस्थितियों में आखिर भारत के समक्ष विकल्प क्या है? क्या भारत को चीन की इस कार्यवाही को चुपचाप देखते रहना चाहिए? ऐसा बिलकुल नहीं है कि भारत कुछ नहीं कर रहा। लेकिन चीन के इस रणनीतिक हथियार के खिलाफ अधिक आक्रामक नीति बनानी चाहिए। चीन को एक्सपोज करने के लिए भारत को चीन पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अधिक कूटनीतिक दबाव बनाना होगा। भारत को इसके लिए संयुक्त राष्ट्र, जी20, और एशियान जैसे मंचों का प्रयोग चीन की गैर-पारदर्शिता को उजागर करने के लिए करना चाहिए। चीन की दोगली नीति के मददेनजर भारत को अपने अंतरिक्ष संसाधनों का प्रयोग कर चीन की गतिविधियों पर सटीक निगरानी रखनी चाहिए। भारत को अभी से पूर्वोत्तर राज्यों में जल संरक्षण, छोटे बांध और जल संसाधनों का वैज्ञानिक ढंग से प्रबंधन करना चाहिए ताकि जल संकट की भावी आशंका से सहजता से निपटा जा सके। चीन पर अंतरराष्ट्रीय स्तर दबाव बनाने की रणनीति के तहत भारत को चीन के साथ ब्रह्मपुत्र के जल प्रबंधन पर एक उसी प्रकार की स्थायी और कानूनी जल-संधि पर जोर देना चाहिए, जैसा कि उसने बांग्लादेश और पाकिस्तान के साथ किया। निस्संदेह, चीन द्वारा ब्रह्मपुत्र नदी पर मेगा बांध का निर्माण न केवल भारत के जल संसाधनों के लिए खतरा है, बल्कि यह दोनों देशों के पहले से तनावपूर्ण संबंधों में और बड़ी दरार पैदा कर सकता है। इस मुद्दे पर भारत को अपनी कूटनीतिक चतुराई, तकनीकी क्षमता और घरेलू रणनीति के साथ कदम बढ़ाने होंगे। यह तथ्य है कि ब्रह्मपुत्र केवल एक नदी नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक, रणनीतिक और जैविक धारा है।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहेगा। आप किसी विशेष कार्य की योजना बनायेंगे और जल्द ही उस पर काम करना शुरू करेंगे। इस राशि के छात्र किसी एंट्रेंस एग्जाम में सफलता प्राप्त करेंगे, जिससे घर में खुशियां आएंगी। किसी बड़े सदस्य की सहायता से आज पारिवारिक समस्या का समाधान होगा, जिससे आपको सुकून मिलेगा ।

वृष राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। व्यापारिक लेन – देन में आज आपको बढ़िया लाभ मिलेगा और क्लाइंट के साथ आपके रिश्ते मजबूत बनेंगे। आज आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा, बच्चों के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। आज आप माता-पिता के साथ आप किसी धार्मिक स्थल के दर्शन करने जा सकते हैं , आपको आंतरिक सुख की प्राप्ति होगी।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज पेंडिंग वर्क को पूरा करने का दिन है, इसलिए आप मन लगाकर काम करें। शादीशुदा रिश्तों में सुधार आएगा, जिससे घर का माहौल खुशहाल रहेगा। जो लोग किसी शारीरिक समस्या से जूझ रहें हैं , आज उनको एक्सपर्ट की सलाह मिलने से वो तकलीफ दूर हो जाएगी।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए खुशनुमा बना रहेगा। आज आपके अधिकतर कार्य पूरे होंगे, जिससे आप आगे का प्लान तैयार कर पायेंगे। आज ऑफिस के किसी काम से आपको बाहर जाना पड़ सकता है, जहाँ आप अपनी सूझ – बूझ से मामले को सुलझा लेंगे। अगर आज आप किसी प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट करना चाहते हैं , तो घर के बड़ों से राय –मशवरा अवश्य कर लें।

सिंह राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। आज आप बड़े और अहम फैसले में जल्दबाजी न करें , थोड़ा रुक कर सोच – विचार जरूर करें ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। इस राशि के समाज सेवा से जुड़े हुए व्यक्तियों को आज मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। आज आप अपनी वाणी पर थोड़ा कंट्रोल बनाये रखें, जिससे परिवार में शांति बनी रहे।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहेगा। आज काम की अधिकता रहेगी जिसकी वजह से शारीरिक परिश्रम भी करना पड़ सकता है। आज आप माता – पिता से अपने मन की बात शेयर कर सकते हैं, जिसमें वो आपका सपोर्ट करेंगे। इस राशि के स्पोर्ट्स खेलने वाले छात्र आज कोच की मदद से बेहतर परफॉर्म करने में सफल रहेंगे।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। बिजनेस करने वालों को आज बड़ा धन लाभ होगा, घर में सुख – सुविधाओं की बढ़ोतरी होगी। आज आपका दोस्त आपसे मदद मांग सकता है , उसकी मदद करके आपको ख़ुशी मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, जिससे आज आप अच्छे से काम कर पायेंगे। आज काफ़ी समय बाद फैमिली के साथ आप डिनर करने बाहर जा सकते हैं, पारिवारिक ख़ुशी बनी रहेगी।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन संभावनाओं से भरा रहने वाला है। जिन व्यक्तियों को रोजगार की तलाश है, उनको आज बढ़िया अवसर प्राप्त होंगे, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। आज आपके रुके हुए कार्य को गति मिलेगी और आप उसे जल्द ही पूरा करने की कोशिश करेंगे। आज आप नया फर्नीचर खरीद सकते हैं, जिससे घर भरा – भरा और आकर्षक प्रतीत होगा।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। आज आप व्यापारिक मामलों में किसी भी व्यक्ति को हस्तक्षेप न करने दें, अपने विवेक से काम लें। आज उधार के लेनदेन से बचें और अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें। आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा, बच्चों की तरफ से कुछ एक्स्ट्रा जिम्मेदारी आपको संभालनी पड़ सकती है। आज आप ऑफिस के काम को सीरियस होकर करें, अन्यथा जरूरी प्रोजेक्ट आपके हाथ से निकल सकता है।

मकर राशिः आज आपका दिन लाभप्रद बना रहेगा। आपके काम में आ रही रुकावट आज दूर होगी और आपको अन्य स्त्रोतों से भी आय की प्राप्ति होगी। जो व्यक्ति किसी क़ानूनी मामलों में उलझे हुए हैं, उनको आज राहत मिलने की संभावना है।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको बिजनेस में बड़ा धन लाभ होगा, पारिवारिक माहौल खुशनुमा बना रहेगा। इस राशि के छात्र पढ़ाई में कड़ी मेहनत करेंगे, जिसके जल्द ही उनको बढ़िया परिणाम देखने को मिलेंगे। आज ऑफिस के किसी काम से आपको यात्रा करनी पड़ सकती है, ये यात्रा आपके लिए लाभदायक रहेगी।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आप काम को पूरी ईमानदारी और शिद्दत से करने का प्रयास करेंगे, जिसमें सहकर्मियों का योगदान भी रहेगा। किसी कोर्ट-कचहरी के केस में आज आपको जीत मिलने के योग बन रहें हैं।

मानवीय इच्छाशक्ति की विजय के प्रतीक फौजा सिंह

डॉ. आशीष वशिष्ठ

पिछले सप्ताह पंजाब के अखबारों में तीन मुद्दों पर अपनी राय प्रमुखता से रखी। पहला-मशहूर एथलीट फौजा सिंह का 114 साल की उम्र में सड़क हादसे में निधन। दूसरा-अहमदाबाद विमान दुर्घटना की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट। तीसरा- पंजाब विधानसभा में पेश बेअदबी विरोधी विधेयक। चंडीगढ़ से प्रकाशित पंजाबी ट्रिब्यून ने संपादकीय में लिखा- 114 वर्षीय मैराथन धावक फौजा सिंह की गृहनगर जालंधर के निकट एक सड़क दुर्घटना में मौत ने उस जीवन का अंत कर दिया, जिसने उम्र, सहनशक्ति और साहस की सीमाओं को चुनौती दी थी। वह सिर्फ एक बुजुर्ग मैराथन धावक नहीं थे, बल्कि समय की मार पर मानवीय इच्छाशक्ति की विजय के प्रतीक थे। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने जन्म प्रमाण पत्र की कमी के कारण उनके रिकॉर्ड को दर्ज करने से इनकार कर दिया, लेकिन फौजा सिंह को अपनी पात्रता साबित करने के लिए किसी भी कागजात की आवश्यकता नहीं थी और उन्होंने अपनी दौड़ जारी रखी। फौजा सिंह ने अपनी पहचान से कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने लंदन मैराथन में बिना पगड़ी के दौड़ने से इनकार कर दिया। फौजा सिंह ने लोगों में उम्मीद जगाई और अनुशासन का पाठ भी पढ़ाया कि उम्र किसी भी चीज में बाधा नहीं बन सकती। उनकी प्रसिद्धि वैश्विक स्तर पर तब फैली जब उनकी तुलना मोहम्मद अली और डेविड बेकहम से की जाने लगी। अन्य लोगों के साथ, वह एडिडास के 'असंभव कुछ भी नहीं' अभियान का चेहरा बन गए। जालंधर से प्रकाशित 'पंजाबी जागरण' लिखता है- फौजा सिंह ने बार-बार साबित किया कि उम्र बस एक संख्या है। अगर आपमें जुनून और साहस है, तो कोई भी चुनौती असंभव नहीं है। दुनिया उन्हें 'टर्बन्ड टॉरनेडो' के नाम से जानती थी क्योंकि भारत के प्रसिद्ध लेखक और पत्रकार खुशवंत सिंह ने 'टर्बन्ड टॉरनेडो' शीर्षक से उनकी जीवनी लिखी थी। सिमरनजीत सिंह ने बच्चों के लिए एक किताब लिखी, 'फौजा सिंह कीप्स गोइंग', जो सिख चरित्र पर केंद्रित पहली प्रमुख बच्चों की किताब थी। उनके जीवन पर कई वृत्तचित्र और फिल्में बनीं, जिनमें 'फौजा सिंहः स्पिरिट ऑफ द मैराथन' और 'अनब्रोकन' शामिल हैं। अखबार आगे लिखता है— साल 2013 में, 101 वर्ष की आयु में, फौजा सिंह ने दौड़ से संन्यास ले लिया, लेकिन उन्होंने स्वास्थ्य, आनंद और दान के लिए दौड़ना जारी रखा। सादगी, शाकाहारी जीवनशैली और सिख सिद्धांतों के प्रति समर्पण ने उन्हें न केवल एक महान एथलीट बनाया, बल्कि एक प्रेरक व्यक्तित्व भी बनाया। उनकी विरासत पंजाब, पंजाबियों और दुनिया भर के लोगों को हमेशा प्रेरित करती रहेगी। जालंधर से प्रकाशित 'अज दी आवाज' ने लिखा- फौजा सिंह 'जब जागो, तब जागो' के आदर्श वाक्य के प्रत्यक्ष उदाहरण थे। उनके शुरुआती दिन बेहद चुनौतीपूर्ण थे। सरदार फौजा सिंह उन लोगों के लिए भी एक बेहतरीन उदाहरण रहेंगे जो उम्र की बाधाओं के कारण हिम्मत हार जाते हैं। चंडीगढ़ से प्रकाशित रोजाना स्पोक्समैन ने अपने संपादकीय शीर्षक ''युगपुरुष का निधन'' में लिखा-फौजा सिंह ने दुनिया के लगभग सभी महत्वपूर्ण शहरों में मैराथन स्पर्धाओं में हिस्सा लिया। ऐसा करने के पीछे कोई आर्थिक महत्वाकांक्षा या लालच नहीं था बल्कि अगर कोई पुरस्कार राशि होती, तो उसे सामाजिक या धार्मिक कार्यों के लिए दान कर देते थे। उनका पूरा जीवन इस कथन का उदाहरण है कि जो उम्र को बंधन नहीं मानते, उनके लिए किसी भी उम्र में आसमान से कोई दुर्लभ रत्न उतार लाना कोई मुश्किल काम नहीं है। पंचकूला से प्रकाशित 'निर्भय सोच' लिखता है-वे एक महान व्यक्ति थे। वे सिख जगत के लिए गौरव का स्त्रोत थे। उन्होंने विश्व में सिखों की पहचान बनाने में बहुमूल्य योगदान दिया है। उनका जीवन आने वाली पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक और प्रेरणा का स्त्रोत रहेगा। बीते 12 जून को अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के एक महीने बाद जारी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट पर चंडीगढ़ से प्रकाशित 'पंजाबी ट्रिब्यून' ने लिखा- विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि विमान के उड़ान भरने के एक सेकंड के भीतर ही इंजनों को ईंधन की आपूर्ति बंद कर दी गई थी। क्या यह सॉफ्टवेयर की खराबी के कारण हुआ या मानवीय भूल के कारण? इस अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न ने गंभीर अटकलों को जन्म दिया है, जबकि एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने यह आरोप लगाया है कि जांच में 'पायलट की गलती' को स्वीकार किया गया है, और ऐसा प्रतीत होता है कि समय से पहले ही निष्कर्ष पर पहुंच गई है। अखबार लिखता है-इस दुर्घटना ने लोगों की विश्वसनीयता को भी गहरा धक्का पहुंचाया है। जालंधर से प्रकाशित अजीत ने लिखा-अहमदाबाद विमान हादसा देश के हवाई यात्रा इतिहास का सबसे बुरा हादसा था। इसने हवाई यात्रा की सुरक्षा के बारे में कई सवाल खड़े किए हैं। एक महीने बाद जारी दुर्घटना की पहली रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि यह मानवीय भूल थी या तकनीकी गड़बड़ी। पूरी और विस्तृत रिपोर्ट जारी होने में महीनों या सालों भी लग सकते हैं। अखबार लिखता है-भले ही आज हवाई यात्रा प्रणाली को हर दृष्टि से दोषरहित बनाने के लिए बहुत कुछ किया गया है, फिर भी ऐसी दुर्घटना का होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और विमानन कंपनियों के लिए भी एक बड़ी चुनौती है। पटियाला से प्रकाशित चढ़दीकलां ने लिखा- यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या दुर्घटना के बाद विमानन नियामक और संबंधित कंपनियों ने जो सतर्कता और गंभीरता दिखाई, वह पहले नहीं दिखाई गई थी? अगर नहीं, तो अभी इसकी ज़रूरत क्यों है? तो क्या अनिवार्य सावधानियों की यह व्यवस्था भविष्य में भी प्रासंगिक रहेगी? यह सवाल इसलिए भी अहम है क्योंकि आमतौर पर किसी दुर्घटना से मिले सबक का असर प्रशासनिक व्यवस्था पर ज़्यादा देर तक नहीं रहता और व्यवस्था फिर से उसी ढर्रे पर चलने लगती है। पंजाब में धर्मग्रंथों के अपमान यानी बेअदबी से जुड़ा बेअदबी विरोधी विधेयक बीते दिनों विधानसभा में पेश किया गया। बेअदबी विधेयक पर पटियाला से प्रकाशित 'चढ़दीकलां' लिखता है-आम आदमी पार्टी ने पंजाब की जनता से यह वादा किया था कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के दोषियों को कड़ी सज़ा दी जाएगी। विपक्ष इस सरकार पर आरोप लगाता रहा है कि उसने पिछले साढ़े तीन वर्षों में बेअदबी के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

मैनचेस्ट युनाइटेड के खिलाड़ियों के साथ फुटबॉल खेलते दिखे भारतीय क्रिकेटर

लंदन। कप्तान शुभमन गिल सहित कई अन्य भारतीय क्रिकेटर मैनचेस्टर में 23 जुलाई बुधवार से शुरु होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले फुटबॉल खेलते नजर आये। इस मैच से पहले भारतीय खिलाड़ियों की मुलाकात मैनचेस्टर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब के खिलाड़ियों से हुई। ऐसे में कई भारतीय खिलाड़ी क्लब की जर्सी पहनकर खिलाड़ियों के साथ फुटबॉल खेलने लगे। वहीं इस दौरान तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज एक फुटबॉलर को गेंदबाजी करते दिखे। भारतीय क्रिके बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों के फुटबॉल की जर्सी पहने की तस्वीरें भी अपने सोशल मीडिया पर जारी की है। इसमें टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर भी नजर आ रहे हैं। वहीं कुछ तस्वीरों में शुभमन गिल और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी रेड डेविल्स के साथ फुटबॉल खेलते दिख रहे हैं। वहीं सिराज पूर्व मैनचेस्टर यूनाइटेड कप्तान और स्टार डिफेंडर हैरी मैगुइरे को गेंदबाजी करते दिखे। मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाड़ी प्री-सीजन के लिए आये थे और इसी दौरान उनकी मुलाकात भारतीय क्रिकेटरों से हुई। कई तस्वीरों में शुभमन को फुटबॉलर ब्रूनो फर्नांडीस के साथ, सिराज को अमद डायलो के साथ, जसप्रीत बुमराह को मेसन माउंट और हैरी मैग्वायर के साथ बातचीत करते हुए देखा गया जबकि गंभीर रेड डेविल्स के मैनेजर रूबेन अमोरिम के साथ तस्वीर खिंचवाते हुए दिखे। भारतीय टीम अभी इस सीरीज में 1-2 से पीछे है और उसका लक्ष्य किसी भी प्रकार से चौथा टेस्ट जीतना है।

बुमराह के खेलने का फैसला उनपर ही छोड़ दें : रैना

बर्मिंघम। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा की है। रैना के अनुसार बुमराह एक महान गेंदबाज है। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए मैचों में खेलने का फैसला हमें उनपर ही छोड़ देना चाहिये। बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत ही इस सीरीज में केवल तीन मैच खेलने हैं। ऐसे में उनके चौथे टेस्ट में खेलने पर संशय छाया हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि चौथे टेस्ट में इस तेज गेंदबाज का खेलना डॉक्टर की सलाह पर अधारित रहेगा क्योंकि इससे पहले उनकी पीठ की सर्जर हुई थी। वहीं कुछ क्रिकेटरों का से भी मानना है कि भारतीय टीम इस सीरीज में पिछड़ रही है। इसलिए बुमराह को बचे हुए मैचों में खेलना चाहिये। जिससे कि भारतीय टीम ये सीरीज जीत सके। रैना यहां वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में हिस्सा लेने के लिए आये हैं। इसी दौरान रैना ने बुमराह के चौथे टेस्ट में खेलने के बारे में कहा, इसका फैसला डॉक्टर लेगा। मैं अपने शरीर को जानता हूं। मैं अपने डॉक्टर को जानता हूं। मुझे पता है कि वह मुझे क्या दिशानिर्देश दे रहे हैं, कैसे खेलना है। उन्होंने साथ ही कहा, बुमराह अपने शरीर को जानते हैं। वह अपने कार्यभार को जानते हैं कि कैसे अपने को बेहतर बनाये रखना है। रैना ने कहा कि बुमराह के लिए थोड़ा आराम जरूरी है क्योंकि वह इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद लंबे समय तक चोटिल रहने के बाद टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं हालांकि अगले टेस्ट में टीम प्रबंधन उन्हें टीम में रखना चाहेगा। उन्होंने आगे कहा, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की उंगली में भी चोट लगी है। इसलिए दोनों के लिए चौथा टेस्ट खेलना बहुत जरूरी है। अगर उन्हें सीरीज ड्रॉ करनी है या टीम को जीत दिलानी है, तो मुझे लगता है कि दोनों का चौथे टेस्ट में खेलना बहुत जरूरी होगा। अब तक इस दौर में दो टेस्ट मैचों में बुमराह ने 21.00 की औसत से 12 विकेट लिए हैं, जिसमें दो बार एक पारी में 5 विकेट भी शामिल हैं और वह अब तक दूसरे सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। बुमराह पिछले दो साल में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्होंने 2024 के टी20 विश्व कप में 8.26 की औसत से 15 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता, वहीं बॉर्डर गावस्कर सीरीज में में 32 विकेट लिए।

टेस्ट मैचों में गेंदें जल्दी खो रही हैं अपना आकार

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच मौजूदा टेस्ट सीरीज में अंपायरों को कई बार गेंद की शेप जांचते हुए देखा गया, खासकर 'रिंग टेस्ट' करते हुए। इसके मायने यह है कि गेंदें जल्दी अपना आकार खो रही हैं। ऐसे में सभी के मन में सवाल उठता है कि जब गेंद बदलनी होती है तो रिप्लेसमेंट गेंदें आती कहां से हैं, उन्हें कैसे परखा जाता है और इस्तेमाल में कैसे लाया जाता है? हर टेस्ट मैच से पहले मेजबान राज्य या काउंटी एसोसिएशन चौथे अंपायर को अपने स्टेडियम में खेले गए फर्स्ट-क्लास मैचों में इस्तेमाल की गई पुरानी गेंदें देता है। उदाहरण के लिए, वानखेड़े में मैच हो तो मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन, और ओल्ड ट्रैफर्ड में हो तो लंकाशायर ये गेंदें देता है। इन गेंदों को एक खास गेज या माप उपकरण से परखा जाता है। अगर गेंद एक रिंग से निकल जाती है लेकिन दूसरी से नहीं, तो उसे बॉल लाइब्रेरी में रखने योग्य माना जाता है। वहीं से रिप्लेसमेंट गेंदें मैच के दौरान ली जाती हैं। भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में आमतौर पर करीब 20 रिप्लेसमेंट बॉल्स रखी जाती हैं, लेकिन कुछ देशों में ये संख्या कम भी हो सकती है। अगर जरूरत से ज्यादा गेंदें खराब हो जाएं, तो चौथा अंपायर नई गेंदों के लिए एसोसिएशन से और गेंदें मंगवा सकता है। कभी-कभी टीमों से उनके नेट्स में इस्तेमाल हुई गेंदें भी ली जाती हैं, जिन्हें जांच के बाद रिप्लेसमेंट के लिए चुना जाता है। गेंदों की रिप्लेसमेंट में यह जरूरी नहीं होता कि नई गेंद उतने ही ओवर पुरानी हो जितनी पिछली थी। हरे मैदान पर 60 ओवर तक चली गेंद को सूखे मैदान की 30 ओवर पुरानी गेंद के बदले इस्तेमाल किया जा सकता है, बशर्ते उसकी गुणवत्ता ठीक हो। लेकिन यह ध्यान रखना जरूरी है कि रिप्लेसमेंट गेंद बिल्कुल वैसी नहीं होती जैसी खराब हुई हो।

इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के बाकी बचे मैचों से नितीश कुमार रेड्डी बाहर, स्वदेश लौटना होगा

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही टेस्ट सीरीज से भारतीय ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी शेष दो टेस्ट मैचों से बाहर हो गए हैं। रेड्डी को बाएं घुटने में चोट लगी है, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए स्वदेश लौटना होगा। सीरीज का पहला टेस्ट मैच मिस करने के बाद रेड्डी ने बर्मिंघम और लॉर्ड्स टेस्ट में हिस्सा लिया था। बर्मिंघम में उनका प्रदर्शन कमजोर रहा—वे सिर्फ 2 रन ही बना सके और 6 ओवर में कोई विकेट नहीं मिला। हालांकि, लॉर्ड्स टेस्ट में उन्होंने शानदार वापसी की। पहली पारी में उन्होंने एक ही ओवर में बेन डकेट और जैक क्रॉली को आउट किया और दूसरी पारी में एक बार फिर क्रॉली को पवेलियन भेजा। बल्ले से भी उन्होंने 30 और 13 रनों का योगदान दिया। इसी बीच, तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भी बाएं अंगूठे में लगी चोट के कारण मैनचेस्टर में होने वाले चौथे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उन्हें बेकनहम में ट्रेनिंग के दौरान गेंदबाजी करते समय यह चोट लगी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी रिकवरी पर नजर बनाए हुए है। टीम को मजबूती देने के लिए चयन समिति ने अंशुल कम्बोज को टीम में शामिल किया है, जो मैनचेस्टर में टीम से जुड़ चुके हैं। सीरीज का चौथा टेस्ट 23 जुलाई 2025 से मैनचेस्टर में खेला जाएगा।

भारत की अपडेटेड टीमः-

शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान एवं विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कम्बोज।

चाइना ओपन बैडमिंटन : वर्ल्ड चैंपियनशिप से पहले लय में लौटने की कोशिश करेंगे सात्विक-चिराग

नई दिल्ली। भारत की टॉप मेंस डबल्स जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मंगलवार से चांगझोउ (चीन) में शुरू हो रहे चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में उतरने जा रही है। इस टूर्नामेंट को 25 से 31 अगस्त तक पेरिस में होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप से पहले आखिरी बड़ा मुकाबला माना जा रहा है, जिसमें सभी खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से आत्मविश्वास हासिल करना चाहेंगे। विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक-चिराग की जोड़ी ने इस सीजन में अब तक तीन सेमीफाइनल (मलेशिया ओपन, इंडिया ओपन और सिंगापुर ओपन) तक का सफर तय किया है। हालांकि सात्विक की स्वास्थ्य समस्याएं और चिराग की पीठ की चोट के चलते उन्हें कुछ हफ्तों तक कोर्ट से दूर रहना पड़ा। वापसी के बाद इन्होंने सिंगापुर ओपन में सेमीफाइनल और इंडोनेशिया ओपन में क्वार्टरफाइनल तक का सफर तय किया, लेकिन पिछले सप्ताह जापान ओपन में चीन की लियांग वेई केंग और वांग चांग की जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा। अब ये जोड़ी अपने पहले मुकाबले में जापान की केन्या मित्सुहाशी और हीरोकी ओकामुरा के खिलाफ उतरेगी। सिंगल्स वर्ग में भारत की उम्मीदें लक्ष्य सेन, एचएस प्रणय और पीवी सिंधु पर टिकी होंगी। लक्ष्य सेन वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर हैं, वे इस साल लगातार प्रदर्शन में संघर्ष करते दिखे हैं। इस सीजन में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन ऑल इंग्लैंड में क्वार्टरफाइनल तक पहुंचना रहा है। कंधे, टखने और पीठ की चोटों से जूझते हुए लक्ष्य ने इंडोनेशिया में वर्ल्ड नंबर 3 शी यू की के खिलाफ बेहतरीन खेल दिखाया था, लेकिन पिछले सप्ताह टोक्यो में जापान के कोडाई नराओका के खिलाफ दूसरे दौर में हार गए। उनका पहला मुकाबला चीन के पांचवीं वरीयता प्राप्त ली शी फेंग से होगा। एचएस प्रणय पिछले साल वर्ल्ड चैंपियनशिप और एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके हैं। वे वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 35वें स्थान पर आ चुके हैं। उन्होंने जापान ओपन में हिस्सा नहीं लिया था। अब वे पहले राउंड में जापान के कोकी वतनाबे के खिलाफ उतरेंगे। पीवी सिंधु इस समय विश्व रैंकिंग में 16वें स्थान पर हैं। वे इस साल अब तक कोई बड़ा प्रदर्शन नहीं कर पाई हैं। इंडिया ओपन में क्वार्टरफाइनल उनका सर्वश्रेष्ठ परिणाम रहा है। इंडोनेशियाई कोच इर्वानसयाह अदी प्रतामा के साथ पिछले छह महीनों से ट्रेनिंग के बावजूद सिंधु इस साल पांच बार पहले ही दौर में बाहर हो चुकी हैं। पिछले सप्ताह कोरिया की सिम यू जिन से हार के बाद सिंधु अब जापान की छठी वरीयता प्राप्त टमोका मियाजाकी के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। मियाजाकी पूर्व वर्ल्ड जूनियर चैंपियन हैं और केवल 18 वर्ष की हैं। अन्य भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो उन्नति हुड्डा अपने पहले मुकाबले में स्कॉटलैंड की कर्स्टी गिल्मर से भिड़ेंगी।

व्यापार

शुरुआती गिरावट के बाद मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि, बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बनने की वजह से पहले 20 मिनट में ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लुढ़क कर लाल निशान में गिर गए, लेकिन इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर ये दोनों सूचकांक रिकवरी करके एक बार फिर मजबूत स्थिति में पहुंच गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.54 प्रतिशत और निफ्टी 0.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, मेटल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, कैपिटल गुड्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। ऑयल एंड गैस, आईटी, एफएमसीजी, हेल्थकेयर और टेक इंडेक्स बिकवाली के दबाव में गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स आज 0.55 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसके विपरीत स्मॉलकैप इंडेक्स ने आज 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में डेढ़ लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 460 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 458.37 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.63 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,327 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,964 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,186 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 177 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,687 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,295 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,392 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 18 शेयर बढ़त के साथ और 12 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 31 शेयर हरे निशान में और 19 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 160.80 की तेजी के साथ 81,918.53 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बढ़ जाने के कारण पहले 20 मिनट में ही ये सूचकांक 239.07 अंक की कमजोरी के साथ 81,518.66 अंक तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने बाजार में आक्रामक अंदाज में खरीदारी शुरू कर दी, जिससे थोड़ी ही देर में सेंसेक्स दोबारा मजबूत स्थिति में पहुंच गया। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक आज का कारोबार खत्म होने की थोड़ी देर पहले 516.30 अंक उछल कर 82,274.03 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि, आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई मामूली बिकवाली की वजह से सेंसेक्स ऊपरी स्तर से करीब 75 अंक फिसल कर 442.61 अंक की मजबूती के साथ 82,200.34 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 30.60 अंक उछल कर 24,999 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से पहले 20 मिनट के कारोबार में ही ये सूचकांक 86.10 अंक फिसल कर 24,882.30 अंक तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक ने दोबारा हरे निशान में वापसी कर ली। बाजार में लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 143 अंक की मजबूती के साथ 25,111.40 तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि, आखिरी वक्त में दिन के सौदों के निपटारे की वजह से हुई बिकवाली के कारण निफ्टी ऊपरी स्तर से करीब 20 अंक खिसक कर 122.30 अंक की तेजी के साथ 25,090.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज दिन भर के कारोबार के दौरान स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एटरनल 5.64 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 2.81 प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक 2.20 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 1.73 प्रतिशत और महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.70 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

एंथेम बायोसाइंसेज ने निवेशकों को किया खुश, पहले दिन 28 प्रतिशत का मुनाफा

नई दिल्ली। बायोटेक फर्म्स और बड़ी फार्मास्यूटिकल कंपनियों को सर्विस देने वाली कंपनी एंथेम बायोसाइंसेज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 570 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी एंट्री 723.10 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 723.05 रुपये के स्तर पर एंट्री हुई। इस तरह एंट्री के साथ ही शेयरों को करीब 26 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिल गया। लिस्टिंग के बाद शेयरों की लिवाली शुरू हो गई, जिसके कारण कुछ ही देर में कंपनी के शेयर बीएसई पर 746.70 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 747 रुपये के स्तर पर पहुंच गए। हालांकि, कुछ देर बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर में कुछ गिरावट भी आई। पूरे दिन के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 730.35 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 160.35 रुपये यानी 28.13 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। एंथेम बायोसाइंसेज का 3,395.79 करोड़ रुपये का आईपीओ 14 से 16 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 67.42 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 192.80 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 44.70 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 5.98 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन में 6.99 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इस आईपीओ के तहत कोई नया शेयर जारी नहीं किया गया है, बल्कि 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 5,95,75,319 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 385.19 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 367.31 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 451.26 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 30 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 1,930.29 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

डॉलर के मुकाबले 14 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में डॉलर की मजबूती और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के वायदा कारोबार में तेजी आने की कारण आज रुपया डॉलर की तुलना में गिरावट के साथ बंद हुआ। मुद्रा बाजार में भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 14 पैसे फिसल कर 86.30 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय मुद्रा 86.16 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 6 पैसे की कमजोरी के साथ 86.22 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। स्टॉक मार्केट में आज शुरुआती दौर में विदेशी निवेशकों द्वारा जमकर की गई बिकवाली के कारण मुद्रा बाजार में रुपये पर भी दबाव की स्थिति बन गई। डॉलर की मांग बढ़ने पर रुपया 20 पैसे फिसल कर 86.36 के स्तर तक गिर गया था। हालांकि, शुरुआती कारोबार के बाद विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने स्टॉक मार्केट में जमकर खरीदारी शुरू कर दी, जिससे मुद्रा बाजार में डॉलर की आवक भी बढ़ गई। डॉलर की उपलब्धता बढ़ने के कारण ही रुपया निचले स्तर से 17 पैसे की रिकवरी करके 86.19 के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, बाद में एफआईआई ने शेयर बाजार लिवाली रोक दी, जिसकी वजह से डॉलर में दोबारा मजबती आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद भारतीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 14 पैसे गिर कर 86.30 रुपये के स्तर पर बंद हुई। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि डॉलर की मजबूती और विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय शेयर बाजार से अपने पैसे की निकासी ने मुख्य रूप से भारतीय मुद्रा को कमजोर करने में मुख्य भूनिका निभाई। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के वायदा कारोबार में आई तेजी की वजह से भी डॉलर की मांग तेज होने की आशंका बन गई, जिसने अंततः रुपये को कमजोर करने का काम किया।

सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में मामूली तेजी, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में मामूली तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना आज 100 रुपये से 110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया। इसके विपरीत चांदी की कीमत में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,150 रुपये से लेकर 1,00,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 91,800 रुपये से लेकर 91,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,16,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,200 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,150 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सेल ने जोजिला सुरंग को 31 हजार टन से अधिक इस्पात से बनाया सशक्त

नई दिल्ली। भारत की सबसे लंबी सड़क सुरंग और एशिया की सबसे लंबी द्वि-दिशात्मक जोजिला सुरंग यातायात के लिए 2027 तक पूरा होने की स्थिति में है। देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने इस परियोजना के लिए 31 हजार टन से ज्यादा स्टील की आपूर्ति की है। इस्पात मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि सेल को इस रणनीतिक संरचना में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में शामिल किया गया था। इसके लिए सेल ने टीएमटी रि-बार, स्ट्रक्चरल और प्लेट सहित 31 हजार टन से अधिक इस्पात की आपूर्ति की है। मंत्रालय के मुताबिक रणनीतिक रूप से 11,578 फीट की ऊंचाई पर स्थित इस सुरंग का निर्माण हिमालय के चुनौतीपूर्ण भूभाग में किया जा रहा है। 30 किलोमीटर से ज्यादा लंबी यह सुरंग श्रीनगर और लेह के बीच द्रास और कारगिल होते हुए हर मौसम में महत्वपूर्ण संपर्क प्रदान करेगी। ये सुरंग भारत के राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे के विकास विशेष रूप से श्रीनगर-कारगिल-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग, का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। ये सुरंग इस क्षेत्र में नागरिक और सैन्य गतिशीलता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी। इस्पात मंत्रालय के मुताबिक 2027 तक पूरा होने की ओर अग्रसर इस परियोजना को इस्पात की निरंतर आपूर्ति सेल की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जोजिला सुरंग जैसी विशाल परियोजनाएं सेल के इस्पात की विश्वसनीयता और मजबूती पर निरंतर भरोसा करती हैं, जो कंपनी की गुणवत्ता के प्रति प्रतिबद्धता और भारत के भविष्य को आकार देने में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका का प्रमाण है।

भोजपुरी स्टार मोनालिसा ने पूल साइड पर दिखाया हॉट अंदाज़, तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा एक बार फिर अपने बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज़ से सोशल मीडिया पर छा गई हैं. हाल ही में मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर पूल साइड से अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह ग्रे स्विमसूट में रिलैक्स मूड में नजर आ रही हैं. एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, कभी-कभी सबसे अधिक उत्पादक चीज़ जो आप कर सकते हैं वह है आराम करना. इस पोस्ट पर फैंस का जबरदस्त रिएक्शन आ रहा है और कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स मिल चुके हैं. मोनालिसा की इन तस्वीरों में उनका कॉन्फिडेंस और स्टाइल साफ झलक रहा है. फैंस ने उन्हें हॉट, क्वीन और स्टनिंग जैसे कमेंट्स से नवाज़ा है. तस्वीरों में पूल साइड की खूबसूरत लोकेशन और मोनालिसा का रिलैक्स्ड अंदाज़ दोनों ही सोशल मीडिया यूजर्स को खूब पसंद आ रहे हैं. मोनालिसा सोशल मीडिया पर अपने बोल्ड और ग्लैमरस फोटोज़ के लिए जानी जाती हैं और इस बार भी उन्होंने साबित कर दिया कि उनका स्टाइल सेंस और चार्म कमाल का है. उनकी ये तस्वीरें एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई हैं और फैंस अब उनकी अगली पोस्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. वर्कफ्रंट की बात करें तो मोनालिसा जल्द ही अपनी अपकमिंग वेब सीरीज़ और प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगी, जिन्हें लेकर उनके फैंस में काफी एक्साइटमेंट है. अपने हर नए लुक और स्टाइल स्टेटमेंट से मोनालिसा यह साबित कर रही हैं कि वह सिर्फ परदे पर ही नहीं, बल्कि रियल लाइफ में भी ट्रेंडसेटर हैं.

सन ऑफ सरदार 2 की रिलीज टली, सैयारा की दीवानगी देख पीछे हटे अजय देवगन?

मोहित सूरी के निर्देशन में बनी सैयारा बॉक्स ऑफिस पर पहले ही दिन इतना बड़ा धमाका कर लेगी, ये किसी ने नहीं सोचा था। शायद अजय देवगन ने भी नहीं। यही वजह है कि वह 18 जुलाई को सिनेमाघरों में आई सैयारा के ठीक 1 हफ्ते बाद यानी 25 जुलाई को सन ऑफ सरदार 2 लेकर आ रहे थे। हालांकि, अब सैयारा के लिए दर्शकों की बढ़ती दीवानगी देख उन्होंने अपने कदम पीछे खींच लिए हैं। सन ऑफ सरदार 2 की रिलीज तारीख आगे बढ़ा दी गई है। यह फिल्म 25 जुलाई को सिनेमाघरों का दरवाजा नहीं खटखटाएगी। अजय देवगन फिल्म्स के बैनर तले बनी यह फिल्म अब 1 अगस्त को सिनेमाघरों में आएगी। सोशल मीडिया पर अभिनेता और निर्माता अजय देवगन ने यह ऐलान किया है। साझा किए गए पोस्ट में लिखा है, जस्सी पाजी और उनकी टोली आपको 1 अगस्त, 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दिखाई देगी। निर्माताओं की मानें वो दर्शकों को एक बेहतरीन सिनेमाई अनुभव देना चाहते हैं। फिलहाल इसके पोस्ट प्रोडक्शन का काम बाकी है, वहीं संगीत पर भी काम चल रहा है। यही वजह है कि इसकी रिलीज आगे बढ़ाई गई है। उधर सोशल मीडिया पर लोगों का कहना है कि फिल्म की रिलीज टालने का असली कारण सैयारा ही है, जो बॉक्स ऑफिस पर तूफान लेकर आई है। हालांकि, अजय के रिलीज आगे बढ़ाने के फैसले की प्रशंसक तारीफ कर रहे हैं। अजय जब साल 2012 में फिल्म सन ऑफ सरदार लेकर आए थे तो दर्शक हंसते-हंसते लोटपोट हो गए थे। उनकी कॉमिक टाइमिंग जबरदस्त थी। जस्सी रंधावा बनकर उन्होंने इस फ्रेंचाइजी में वापसी की है। फिल्म में ट्रेलर में कॉमेडी के साथ-साथ अजय ने एक्शन का भी तड़का लगाया है। मृणाल ठाकुर और रवि किशन भी इसका हिस्सा हैं। फिल्म में पहली बार मृणल, अजय के साथ इयक फरमाती दिखें। उधर बताया जा हा है कि अजय जानते हैं कि उनकी फिल्म सन ऑफ सरदार 2 दर्शकों को सिनेमाघरों में खींचने का माद्दा रखती है। ऐसे में वो अपनी इस फिल्म को तब रिलीज करना चाहते हैं, जब सैयारा की दीवानगी थोड़ी कम हो जाए, नहीं तो इससे दोनों ही फिल्मों की कमाई प्रभावित होगा। सन ऑफ सरदार एक बेहद लोकप्रिय कॉमेडी फिल्म है, जिसके सीक्वल से साथ निर्माता कोई जोखिम नहीं उठाना चाहते।

राशा थडानी को पसंद आई सैयारा, अहान पांडे और अनीत पड्डा की जोड़ी लगी शानदार

एक्टर अहान पांडे और अनीत पड्डा स्टारर सैयारा को दर्शकों के साथ ही फिल्म इंडस्ट्री के सितारों से भी खब प्यार मिल रहा है। इसके लिए फिल्म की टीम, खासकर लीड जोड़ी अहान पांडे और अनीत पड्डा को बधाइयां मिल रही हैं। अभिनेत्री राशा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उनकी जोड़ी को सराहा और दोनों की जोड़ी को शानदार बताया। 'आजाद से डेब्यू करने वाली अभिनेत्री राशा थडानी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर 'सैयारा की लीड जोड़ी की जमकर तारीफ की। उन्होंने अहान की तारीफ करते हुए लिखा, डियर, तुम चमकने के लिए बने हो! तुम खास हो, मुझे गर्व है कि दुनिया को तुम्हारा टैलेंट देखने को मिल रहा है। काश मैं कल वहां होती तुम्हें सपोर्ट करने और काश मैं प्रशंसकों का प्यार तुम्हारे लिए उमड़ते देखने के लिए वहां मौजूद होती, तुम इस प्यार-सम्मान के हकदार हो। राशा ने अनीत पड्डा की भी प्रशंसा की और लिखा, अनीत पड्डा, तुम्हें स्क्रीन पर देखकर बहुत अच्छा लगा, तुम जादू हो! तुम्हारी आवाज बेहद खूबसूरत है! तुम लड़कियों के लिए प्रेरणा हो। तुम्हारी अभिव्यक्ति की कला एक तोहफा है। मोहित सूरी, मैं आपसे सीख रही हूं। आपने मेरा दिल खुशी से भर दिया। 'सैयारा की खूबसूरत दुनिया से रूबरू कराने के लिए धन्यवाद। सिनेमा को कला से सजाने और

हमें भावनाओं से जोड़ने के लिए शुक्रिया। राशा की पोस्ट पर जवाब देते हुए अनीत ने लिखा, राशा, तुम्हारा बहुत-बहुत धन्यवाद, लव यू। मोहित सूरी के निर्देशन में बनी 'सैयारा की खूबसूरत कहानी के साथ ही खूबसूरत संगीत भी है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। मोहित 'जहर, 'कलयुग, 'वो लम्हें, 'आवारापन और 'आशिकी 2 जैसी फिल्मों का निर्माण कर नए सितारों को मौका दे चुके हैं।

हिंदी में साम्राज्य नाम से रिलीज होगी किंगडम, विजय देवरकोंडा की आवाज बनेंगे रणबीर कपूर

विजय देवरकोंडा अपनी अगली फिल्म किंगडम से 31 जुलाई को बॉक्स ऑफिस पर कब्जा करने आ रहे हैं. फिल्म एनालिस्ट तरण आदर्श ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया है कि फिल्म हिंदी में साम्राज्य नाम से रिलीज होगी. साथ ही बताया है कि किंगडम के हिंदी वर्जन साम्राज्य में रणबीर कपूर उनकी आवाज बनेंगे. किंगडम हिंदी में साम्राज्य एक स्पाई एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसे गौतम तिन्नौरी ने डायरेक्ट किया है. फिल्म में विजय के साथ-साथ सत्यदेव, भाग्यश्री बोर्से अहम रोल में होंगी. फिल्म का म्यूजिक अनिरुद्ध रविचंद्रर ने दिया है. फिल्म मूलरूप से तेलुगू में बनी हैं. तरण आदर्श ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर विजय देवरकोंडा की फिल्म साम्राज्य का पोस्टर शेयर किया है और अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, विजय अपनी अगली फिल्म किंगडम जिसका हिंदी वर्जन टाइटल साम्राज्य है, से 31 जुलाई को धमाका करने आ रहे हैं, यह फिल्म वर्ल्डवाइड रिलीज होगी और इसका हिंदी वर्जन टाइटल साम्राज्य होगा, तेलुगु में जूनियर एनटीआर, हिंदी में रणबीर कपूर और तमिल वर्जन में सूर्या उनकी आवाज बनेंगे. फिल्म का निर्देशन गौतम तिन्नौरी ने किया है, जो इससे पहले फिल्म जर्सी बना चुके हैं. नागा वामसी और साई सौजन्या फिल्म के प्रोड्यूसर हैं. फिल्म सितारा एंटरटेनमेंट्स, फॉर्च्यून फॉर सिनेमास और श्रीकारा स्टूडियोज की पेशकश है. 100 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म साम्राज्य में विजय के रोल का नाम सूरी होगा. रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म पर साल 2021 से ही काम चल रहा था और गौतम ने इस फिल्म के लिए पहले रामचरण को चुना था, जो उस वक्त फिल्म आचार्य और आरआरआर पर काम कर रहे थे. इस प्रोजेक्ट का एलान 15 अक्टूबर 2021 को हुआ था और इसका अस्थायी टाइटल आरसी15 था, लेकिन अज्ञात कारणों की वजह से यह प्रोजेक्ट बंद हो गया और फिर कहा गौतम ने विजय की ओर रुख किया और उन्हें फिल्म की कहानी सुनाई और वह इसे करने के लिए राजी हो गए. जून 2023 को फिल्म के लिए हैदराबाद में फोटोग्राफी हुई, लेकिन विजय की खुशी और द फैमिली स्टार की वजह से फिल्म मेकिंग में देरी हो गई. वहीं, जनवरी 2025 तक फिल्म का 80 फीसदी काम पूरा हो गया था.

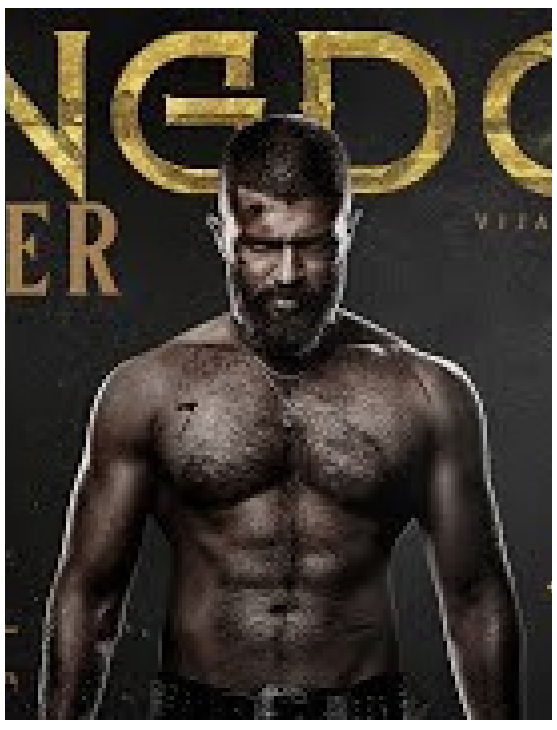

स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होती है शतावरी, आज ही बनाएं अपनी डाइट का हिस्सा

शतावरी एक हरी सब्जी होती है, जिसे अंग्रेजी में ऐस्पैरागस भी कहा जाता है। यह लंबे हरे या सफेद तने वाला पौधा होता है, जिसे सब्जी के रूप में पकाकर खाया जा सकता है। इसे आम तौर पर एशियाई या पश्चिमी खान-पान में शामिल किया जाता है। हालांकि, इसके कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं, जिनके कारण इसे डाइट में शामिल करना सही निर्णय हो सकता है। आइए इस सब्जी के मुख्य स्वास्थ्य संबंधी फायदे जानते हैं। शतावरी में न केवल कम वसा होती है, बल्कि इसके एक कप में सिर्फ 32 कैलोरी होती हैं। साथ ही इसमें घुलनशील और अघुलनशील फाइबर भी ज्यादा होता है, जिस कारण यह वजन घटाने में मददगार साबित हो सकता है। फाइबर को पचने में थोड़ा समय लगता है, इसलिए इसके सेवन के बाद पेट देर तक भरा रहता है और ज्यादा खाने की संभावना भी कम हो जाती है। ज्यादा लाभ पाने के लिए इसे केवल थोड़े तेल में भूनें। शतावरी विटामिन-ई का एक अच्छा स्रोत है, जो शरीर के लिए महत्वपूर्ण एंटीऑक्सीडेंट होता है। यह तत्व प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में मदद करता है और कोशिकाओं को मुक्त कणों के हानिकारक प्रभावों से बचाता है। विटामिन-ई पाने के लिए शतावरी को थोड़े से जैतून के तेल में पकाना चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि अगर इसे थोड़ी वसा के साथ खाया जाए तो शरीर विटामिन-ई को बेहतर तरीके से अवशोषित कर पाता है। शतावरी में फोलेट मौजूद होता है, जो एक तरह का विटामिन-बी है। यह आपके मनोबल को बढ़ा सकता है और चिड़चिड़ापन दूर करने में भी सहायता कर सकता है। अगर आपको अवसाद है या आपके शरीर में फोलेट और विटामिन-बी12 की कमी है, तो शतावरी खाना आपके लिए फायदेमंद होगा।

मानसून के दौरान खाने के लिए बेहतरीन है भुट्टा, जानिए इसके स्वास्थ्यवर्धक लाभ

मानसून के दौरान कई लोग भुट्टे के स्वादिष्ट और गर्मागर्म व्यंजनों का आनंद लेना पसंद करते हैं। हालांकि, भुट्टे का सेवन केवल स्वाद के लिए नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि यह कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। आइए आज हम आपको भुट्टे के सेवन से मिलने वाले सेहत के फायदों के बारे में बताते हैं, जिनके बारे में जानकर आप इसे अपनी डाइट में शामिल करने पर मजबूर हो जाएंगे। अगर आप वजन घटाने की कोशिश में लगे हुए हैं तो आपको रोजाना एक कप उबले या भुने भुट्टे का सेवन करना शुरू कर देना चाहिए। इसमें मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को ठीक रखने के साथ ही लंबे समय तक पेट को भरा हुआ महसूस करवाता है, जिसके कारण आप ज्यादा खाने से बच जाते हैं। इसके अलावा भुट्टे में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट गुण चर्बी को कम करने में भी मदद कर सकते हैं। अगर आप अपनी आंखों की देखभाल करना चाहते हैं तो रोजाना एक कप उबले या भुने भुट्टे का सेवन करना शुरू कर दें। दरअसल, भुट्टे में ल्यूटिन और जेक्सैन्थिन नाम के खास एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। ये आंखों की रोशनी को कम होने से बचाने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा ये एंटी-ऑक्सीडेंट आंखों को सूरज की किरणों से होने वाले नुकसान से भी बचा सकते हैं और रेटिना को स्वस्थ रखते हैं। भुट्टे में फाइबर, पोटेशियम, मैग्नीशियम और विटामिन-बी3 जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो दिल को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं। ये पोषक तत्व खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करके अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को संतुलित करने में मदद कर सकते हैं।

PM Modi mentioned trachoma free India, said- India is doing excellent work in the field of health

New Delhi, There was a time when eye diseases like trachoma were considered to be the major cause of blindness in India. This disease was affecting millions of people due to dirt and lack of treatment. But now the situation has changed. India left this disease behind through years of hard work, awareness and health services. This was confirmed by the World Health Organization (WHO) itself. Prime Minister Narendra Modi has proudly presented this achievement to the country many times. Addressing the media before the monsoon session, he once again described India's victory over trachoma as a big success. PM Modi said before the start of the monsoon session, WHO has said that India has freed itself from the eye disease trachoma. We have done good work in the field of health. Earlier also PM Modi has talked about this in his Mann Ki Baat program. In his popular radio program Mann Ki Baat broadcast on June 29, he credited the country's health workers,

doctors and aware citizens for this success and said that this is a proof of India's public participation and commitment towards health. He had said, Trachoma is a serious infectious eye disease, which is usually spread by dirt, lack of cleanliness and bacterial infection. It causes inflammation in the eyes and can also cause blindness if not treated on time. There was a time when this disease was widely spread in India, but in the last few years, the central and state governments together ran special campaigns for its eradication. National programs like Swachh Bharat Mission and Jal Jeevan Mission played a big role in eradicating the disease by increasing cleanliness and access to clean drinking water. Let us tell you that trachoma is caused by a special bacteria (Chlamydia trachomatis). This disease spreads due to dirt, lack of cleanliness and coming in contact with an infected person. This disease can spread to other people by touching the eyes, nose or dirty hands of a sick person, or through his used handkerchiefs and towels. According to a research, trachoma affects children the most, especially children aged 4 to 6 years are more at risk. This disease gradually damages the inner surface of the eyes and over time the eyelids start turning inwards, which can cause wounds in the eyes and can also lead to loss of vision. In 1971, trachoma was considered responsible for more than 5 percent of blindness cases in India. After this, the Government of India and WHO started working together to eliminate this disease. Trachoma was controlled through schemes like National Program for Control of Blindness and efforts to make people aware. Today India has completely eradicated this disease.

Mumbai local train blast: Big decision of High Court, all 12 accused acquitted

Mumbai, On Monday, the Bombay High Court gave a major verdict in the 2006 Mumbai local train blast case, declaring all 11 accused innocent and acquitting them. This verdict was given by a division bench of Justice Anil Kilor and Justice S.G. Chandak. A total of 12 accused in this case were earlier convicted by the lower court, out of which 5 were sentenced to death and 7 were sentenced to life imprisonment. However, the High Court acquitted 11 accused during the hearing, while one accused had already died. According to sources, the final hearing of the case was completed in January this year, after which the verdict was reserved. The convicts had marked their presence in the court through video conferencing from Yerawada, Nashik, mravati and Nagpur jails. In this horrific bomb blast in

2006, there were explosions at seven places in Mumbai's local trains, in which 189 people lost their lives and 824 people were injured. In this case, in 2015, a special court convicted a total of 12 accused, out of which 5 were sentenced to death and 7 to life imprisonment. Those who were sentenced to death included Mohammad Faisal Sheikh, Ehtesham Siddiqui, Naved Hussain Khan, Asif Khan and Kamal Ansari. However, an accused named Kamal Ansari died in jail in 2022 due to Covid-19. The defence had alleged that the statements (species) recorded under the RTI Act were obtained by 'coercion' and 'torture', and hence should be dismissed as illegal. On the other hand, the state had tried to prove that the case was 'rare of the rarest' (serious and extraordinary in any way), and the culprits were justified in getting punishment. This verdict marks a new direction in the case and raises many questions, especially regarding the judicial process and the use of evidence in terrorism-related cases.

Delhi High Court gets 6 new judges, Chief Justice DK Upadhyay administered the oath

New Delhi, 6 new judges were sworn in on Monday in the Delhi High Court. These include Justice V. Kameswara Rao, Justice Nitin Vasudev Sambre, Justice Vivek Chaudhary, Justice Anil Khetrapal, Justice Arun Monga and Justice Om Prakash Shukla. In the oath ceremony, Chief Justice of Delhi High Court DK Upadhyay administered the oath to all the new judges. After this appointment, the number of judges in the Delhi High Court has increased to 40, while the total number of sanctioned posts is 60. All these judges have been transferred from other High Courts to the Delhi High Court after the recommendation of the Supreme Court Collegium and the approval of the Central Government. The most prominent name is that of Justice V. Kameswara Rao, who went to the Karnataka High Court in May 2024 and has now returned to his parent court, the Delhi High Court.

He was made an additional judge of the Delhi High Court in April 2013 and a permanent judge in March 2015. Justice Anil Khetrapal has come from the Punjab and Haryana High Court. He started practicing law in Chandigarh in 1988 and became a senior advocate in 2014. He was appointed an additional judge in July 2017. Justice Arun Monga has been transferred from Rajasthan High Court. He took a law degree from Punjab University, Chandigarh and started practicing as an advocate in 1991. He came to Delhi in 1997-98 and became a judge in Punjab and Haryana High Court in October 2018. He was sent to Rajasthan High Court in November 2023. Justice Om Prakash Shukla has come from Allahabad High Court. He studied law from Lucknow University and enrolled with UP Bar Council in 2003. He practised in a variety of cases in Supreme Court, Allahabad and Delhi High Court. He became an additional judge in August 2022 and a permanent judge in March 2024. Justice Vivek Chaudhary has also come from Allahabad High Court. He took a law degree from Meerut University in 1988 and enrolled as an advocate in the same year. He became an additional judge in February 2017 and a permanent judge in March 2018. Justice Nitin Vasudev Sambre has come from the Bombay High Court. He got a law degree from Nagpur University in 1992 and started practicing law the same year. In January 2014, he was made a judge of the Bombay High Court.

PIL regarding making nameplates mandatory on shops, Supreme Court issues notice to central and state governments

New Delhi, The Supreme Court has issued a notice to the Center and all the state governments on the Public Interest Litigation (PIL) demanding the installation of nameplates on all shops across the country. The court has directed to file a reply within four weeks. This petition has been filed by lawyer Ashwini Upadhyay, in which it has been demanded that it should be made mandatory for all shops, hawkers, showrooms, distributors and dealers to put up nameplates. This will enable consumers to get complete information about the shopkeeper's identity, address, contact number and quality of goods. Talking to media in this regard, Advocate Ashwani Upadhyay said that the consumer's right to know is a fundamental right under Article 19 of the Constitution. Ashwini Upadhyay said that it is clearly mentioned in the Consumer Protection Act and Food Safety Act that whether it is a street vendor, a small shopkeeper, a showroom owner,

a distributor or a dealer, everyone should put up a display board outside their establishment. Information like the shopkeeper's name, address, license number and registration number must be there on this board. However, this rule is not being followed across the country. Sharing his experience, he said that he had recently visited Haridwar, Madhya Pradesh and Maharashtra, where he observed that many shops, especially food shops, did not have any nameplate or information displayed. This makes it difficult for consumers to identify the shopkeeper and get information about the quality of the goods. Especially during fasts and festivals, when people are conscious about their food likes and dislikes, the lack of such information causes trouble for consumers. Ashwini Upadhyay further said, this rule should not be limited only to Kanwar Yatra or any special occasion, but should be applicable 365 days a year across the country. This is a fundamental right of consumers, which is ensured under the Consumer Protection Act, Food Safety Act and Article 19 of the Constitution.

He said that many times due to lack of display boards at shops, consumers are unable to identify the shopkeeper and their complaints do not reach the District Consumer Forum. With nameplates being mandatory, consumers will be

Miracle! A woman's hearing power returned after 20 years due to dental treatment, there was no need for cochlear implant

Surat,Till now we have known that ENT specialists treat problems related to nose, ear and throat. But a surprising case has come to light from Surat, Gujarat, which may change this notion. Here a 63-year-old woman got dental treatment done and her decades-old hearing problem was cured. This was no less than a miracle, because even the most expensive hearing aids had proved ineffective for her. 63-year-old Jaibunnisa M, a resident of Kosamba in Surat district, was suffering from deafness for the last 20 years. The last 10 years were even more difficult for her, when her hearing ability was almost completely lost. Due to this, she even stopped going to social events and weddings. Neighbors

thought that she had become arrogant because of her children settled abroad, but the reality was that she could not hear anything. After the problem kept increasing, the doctors advised him to undergo cochlear implant surgery, which was to be done in July this year. His radiologist daughter had come to Surat from Dubai for the surgery and his dentist daughter was preparing to come from America. But just before the surgery, something happened which no one had imagined. Zaibunnisa said, I was sitting at home when suddenly I started hearing voices. I ran to my husband and then went to the neighbor's house to confirm this. This incredible change happened after procedures like full-mouth dental reconstruction and nerve decompression. According to implant specialist Dr. Rishi Bhatt, his hearing ability improved after dental treatment. It is possible that during the treatment a nerve connected to the ear opened up, which had this positive effect. Seeing this miraculous improvement, Zaibunnisa's ENT doctors immediately put the plan for cochlear implant on hold. Her audiometry report showed a significant improvement in her hearing ability, said ENT surgeon Dr Ashraf Master. Now Zaibunnisa's world is buzzing with voices again. The woman who earlier depended on others for every phone call is now talking freely again and is excited to return to social life. Her daughter Tehzeeb expressed happiness and said, earlier when I used to call, only she used to speak and we used to listen. But now she can also hear our conversation like before. Zaibunnisa's husband Dr. Abbas is also surprised by this incident. He said, at first I could not believe it, but we are thankful to God that dental treatment gave her back her hearing power. This incident is a unique combination of science and miracle, which has given Zaibunnisa a new chance to live with dignity by taking her out of a life of silence.

ED tightens its grip in Haryana land deal case, Robert Vadra accused of illegal earnings of 58 crores; charge sheet filed

New Delhi, The Enforcement Directorate (ED) has tightened its grip on Robert Vadra in the famous Gurugram land deal case of Haryana. The agency filed a charge sheet against 11 people including Vadra last week and alleged that Robert Vadra earned illegal income of Rs 58 crore from irregularities in the land deal of DLF project. According to the ED, the entire case is related to 3.5 acres of land in Gurugram's Shikohpur village (now Sector 83), which was first bought by Robert Vadra's company Skylight Hospitality Private Limited for just Rs 7.5 crore. Later, after allegedly changing the land use, the same land was sold to DLF in 2012 for Rs 58 crore.

This case first came into the limelight when senior Haryana IAS officer Ashok Khemka cancelled the mutation of this land. In its charge sheet, the ED has claimed that Rs 53 crore was paid for this deal in the account of Skylight Hospitality, while Rs 5 crore was given to a company named Blue Breeze Trading Private Limited. The agency alleges that this amount of Rs 58 crore was used by Vadra to purchase other immovable properties, make investments and repay his loans. ED also says that serious irregularities were committed in the process of granting commercial license to Vadra's company. Before filing this charge sheet, the agency has questioned Robert Vadra several times. Amidst this legal action, politics has also intensified on the matter. Congress leader and Leader of Opposition Rahul Gandhi has openly defended his brother-in-law Robert Vadra for the first time. He wrote in a tweet on Friday, "This government has been harassing my brother-in-law for the last 10 years without any reason. All this is being done as part of revenge politics." After this statement, this matter is likely to escalate further.

Humanity shamed: Woman was accused of being a witch and was stripped, beaten, her head was shaved; her body was attacked with a blade

Hazaribagh, A shameful incident of brutality against a widow woman by accusing her of being a witch has come to light in Hazaribagh district of Jharkhand. The accused entered the woman's house, stripped her naked and beat her, cut many parts of her body with a blade to extract blood and performed tantric rituals. After this, she was forcibly taken to Gaya in Bihar and her head was shaved. 30 thousand rupees were also extorted from the woman and her son in the name of witch-freeing. The incident is from Jarhiya village of Barhi police station area of Hazaribagh. The victim

reached Barhi police station on Sunday night and narrated her ordeal, after which the police registered a case and started investigation. The woman said that on Friday evening seven people from the village came to her house and dragged her out accusing her of being a witch. Her clothes were removed. Then she was beaten and her body was wounded with a blade and blood was drawn. Tantric rituals were performed using the blood. After this, the accused forcibly picked her up from her house. From Barhi, they took her to Pretshila in Gaya district and shaved her head. There also she was beaten up. The accused kept saying repeatedly that she was being freed from 'witchcraft'. In this name, 30 thousand rupees were also collected from the woman and her son. The accused left the woman in Barhi market at around 10 pm on Saturday night and fled. Somehow she returned to her home. The scared and frightened woman mustered courage on Sunday night and lodged a complaint at Barhi police station. Police said that the accused have been identified. Raids are being conducted to arrest them. Police said that no accused involved in this inhuman act will be spared.

Pappu Yadav does not think NDA will fight elections under the leadership of Nitish Kumar

New Delhi,Purnea MP Rajesh Ranjan Yadav alias Pappu Yadav has made a big claim about Chief Minister Nitish Kumar. According to him, the Bharatiya Janata Party (BJP) will not contest the upcoming Bihar assembly elections under the NDA led by Nitish Kumar. Reacting to the advice given by Rashtriya Lok Morcha chief Upendra Kushwaha to Chief Minister Nitish Kumar, MP Pappu Yadav said that the incidents happening in Bihar and the deteriorating law and order situation are part of BJP's continuous effort to damage Nitish Kumar's credibility and personality. On one side Upendra Kushwaha and on the other side Chirag Paswan, questions are being raised from both sides. He said, in the name of coalition dharma, they keep attacking the very leadership under which

they plan to contest the elections. In my view, this clearly shows that they will not contest the elections under the leadership of Nitish Kumar. The MP further said, I think the NDA is not going to contest the elections by declaring Nitish Kumar as the Chief Minister. Nitish Kumar is useful for the BJP only till the elections are over. Nitish Kumar will be dealt with before or after the elections. On SIR (Special Intensive Revision), he said that the commission is making excuses of SIR (Special Intensive Revision) to remove names from the voter list. BLOs are not going to the villages at all. In my area itself, BLOs did not go to 22-24 villages, yet names were added arbitrarily. I challenge this, the names of people who are in Delhi have been added here. And this is not just about one or two people, there are lakhs of such people. Pappu Yadav said that through SIR, the Election Commission is cutting votes where BJP does not get votes. This is a conspiracy. Our leader Rahul Gandhi and the entire opposition are united on this issue. We are fighting against it in the Supreme Court, Parliament and on the streets. According to the MP, voters of Bihar have been attacked through SIR. After Bihar, this work is likely to be done in Assam and Bengal.